संयम ◆संस्कार ◆संतुलन

R.N.I. No.-UPHIN/2004/22466

वर्ष-22 अंक- 51
पृष्ठ 8
शनिवार
08 नवम्बर 2025
प्रातः संस्करण
हिन्दी दैनिक
प्रयागराज
मूल्य-1.00

शहर समता

प्रयागराज से प्रकाशित Email : shaharsamta@gmail.com Website : https://Shaharsamta.com सम्पादक-उमेश चन्द्र श्रीवास्तव

विविध- छोटे कद की लड़कियों पर खूब....
विचार- वोट चोरी के सबूतों का हाइड्रोजन ...
खेल- हॉन्गकॉन्ग सुपर सिक्सेस में भी भारत...

वंदे मातरम को तोड़ने वाली विभाजनकारी सोच अभी भी देश के लिए चुनौती है : मोदी

नयी दिल्ली,एजेंसी। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने कांग्रेस का नाम लिए बिना शुक्रवार को कहा कि एक विभाजनकारी सोच ने 1937 में राष्ट्र निर्माण के महामंत्र वंदे मातरम के कुछ अंशों को निकालकर तोड़ दिया था और वंदे मातरम के इस विभाजन ने देश के विभाजन के भी बीज बो दिये थे। उन्होंने देशवासियों विशेष रूप से युवाओं को आगाह करते हुए कहा कि यह विभाजनकारी सोच आज भी देश के लिए चुनौती बनी हुई है और इससे सावधान रहने की जरूरत है। श्री मोदी ने राष्ट्रगीत वंदे मातरम के 150 वर्ष पूरे होने के मौके पर यहां आयोजित स्मरणोत्सव समारोह को संबोधित करते हुए यह बात कही। इस अवसर पर प्रधानमंत्री ने एक स्मारक सिक्का तथा स्मारक डाक टिकट जारी किया और वंदे मातरम को समर्पित पोर्टल की भी शुरूआत की। केन्द्र सरकार ने वंदे मातरम के 150 वर्ष पूरे होने के अवसर को मनाने के लिए साल भर चलने वाले कार्यक्रमों की घोषणा की है। ये कार्यक्रम अगले एक वर्ष तक पांच चरणों में आयोजित किए जायेंगे। श्री मोदी ने आजादी से लेकर अब तक वंदे मातरम की देश निर्माण में महत्वपूर्ण यात्रा का उल्लेख करते हुए कहा कि वंदे मातरम से जुड़ा एक और विषय है जिसकी चर्चा करना उतना ही आवश्यक है। उन्होंने कहाृ आजादी की लड़ाई में वंदे मातरम की भावना ने पूरे राष्ट्र को प्रकाशित किया था। लेकिन दुर्भाग्य से 1937 में वंदे मातरम के महत्वपूर्ण पदों को ,उसकी आत्मा के एक हिस्से को अलग कर दिया गया था। वंदे मातरम को तोड़ दिया गया था । उसके टुकडे किये गये थे। वंदे मातरम के इस विभाजन ने देश के विभाजन के बीज भी बो दिये थे। राष्ट्र निर्माण के इस महामंत्र के साथ यह अन्याय क्यों हुआ । ये आज की पीढी को भी जानना जरूरी है क्योंकि वही विभाजनकारी सोच विभाजनकारी सोच देश के लिए आज भी चुनौती बनी हुई है।ँ उन्होंने जोर देकर कहा कि हम सब को मिलकर इस सदी को भारत की सदी बनाना है। उन्होंने कहा,ँ यह सामर्थ्य भारत में है। हमें इसके लिए खुद पर विश्ववास करना है। उन्होंने नकारात्मक सोच वाले लोगों से सतर्क रहने का आह्वान करते हुए कहा कि इनकी शंका पैदा करने की कोशिश को नाकाम करना होगा। उन्होंने कहा कि नकारात्मक सोच वाले लोग शंका पैदा करने की कोशिश करेंगे । इस सोच से निपटने के लिए हमें आनंदमठ के प्रकरण को ध्यान में रखकर कदम उठाना होगा। उन्होंने कहा, भारत माता की 140 करोड संतान और उनकी 280 करोड भुजाएं हैं । हमारे लिए कुछ भी असंभवन नहीं है। आत्मनिर्भर भारत का संकल्प पूरा करना सबका संकल्प होना चाहिए। वंदे मातरम के 150 वर्ष पूरे होने पर देशवासियों को शुभकामनाएं देते हुए श्री मोदी ने कहा कि हर रचना एक मूल संदेश होता है, मूल भाव होता है और वंदे मातरम का मूल भाव भारत और मां भारती है। भारत की शाश्वत संकल्पना है। भारत ने इसी के आधार पर अपनी एक सांस्कृतिक पहचान बनाई , ताकत और नैतिकता के बीच संतुलन बनाया। भारत की यह संकल्पना उसकी वैचारिक शक्ति है। प्रधानमंत्री ने कहा कि वंदे मातरम के हर एक शब्द का अपना महत्व है और यह हर दौर, हर कालखंड में प्रासंगिक है , इसने अमरत्व प्राप्त किया है। उन्होंने कहा कि कुछ शताब्दी पूर्व वैश्विक जीडीपी का एक चौथाई हिस्सा भारत के पास था और बंकिम बाबू ने इसके माध्यम से समृद्ध भारत का आह्वान किया। उनका मानना था कि भारत अपने स्वर्णिम दौर को पुनर्जीवित कर सकता है। श्री मोदी ने कहा कि वंदे मातरम केवल आजादी का गान ही नहीं बना बल्कि इसने आजाद भारत का सपना भी प्रस्तुत किया। वंदे मातरम ने हर भारतीय की भावना को व्यक्त किया। आजादी की लड़ाई में नयी चेतना भरी। उन्होंने कहा किमौजूदा भू राजनीतिक परिस्थितयों में भारत की चेतना अलग है और उसकी अवधारणा भी अलग है। उन्होंने कहा, भारत में मां जननी भी है और पालनहारिणी और संहारकारिणी भी है। नया भारत आतंक के विनाश के लिए दुर्गा भी बनना जानता है।

'वंदे मातरम' गीत कांग्रेस की बैठकों का हिस्सा, आरएसएस भाजपा ने कभी नहीं स्वीकारा : खरगे

नयी दिल्ली, एजेंसी। कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे ने 'वंदे मातरम' गीत को राष्ट्र की सामूहिक आत्मा जागृत करने वाला स्वतंत्रता संग्राम का उद्घोषक गीत बताते हुए राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (आरएसएस) तथा भाजपा पर हमला किया और कहा कि राष्ट्रभक्ति का डंका पीटने वाले इस संगठन के लोगों ने अपनी शाखाओं में और बैठकों में इस गीत को कभी नहीं गया। श्री खरगे ने वंदे मातरम गीत की 150वीं वर्षगांठ पर शुक्रवार को एक सन्देश में कहा कि इस राष्ट्रीय गीत ने हमारे राष्ट्र की सामूहिक आत्मा को जागृत किया और स्वतंत्रता संग्राम का उद्घोष बना रहा। बंकिमचंद्र चट्टोपाध्याय द्वारा रचित यह गीत भारत माता अर्थात् भारत के लोगों की एकता और विविधता का प्रतीक है। कांग्रेस श्वंदे मातरम्श की गौरवशाली ध्वजवाहक रही है और 1896 में कलकत्ता में कांग्रेस के अधिवेशन के दौरान, तत्कालीन कांग्रेस अध्यक्ष रहमतुल्ला सयानी के नेतृत्व में, गुरुदेव रवीन्द्रनाथ ठाकुर ने पहली बार सार्वजनिक रूप से 'वंदे मातरम' का गायन किया था और तब इस गीत ने स्वतंत्रता आंदोलन में नयी ऊर्जा भर दी। उन्होंने कहा कि कांग्रेस ब्रिटिश साम्राज्य की श्फूट डालो और राज करोश नीति को समझती थी और उस समय अंग्रेजों की इस नीति के विरुद्ध श्वंदे मातरम्श अटूट शक्ति का गीत बनकर उभरा, जिसने सभी भारतीयों को भारत माता की भक्ति में शक्ति के रूप में एक सूत्र में बांध दिया था। फिर 1905 के बंगाल विभाजन से लेकर स्वतंत्रता सेनानियों के अंतिम सांसों तक श्वंदे मातरम्श की गूंज पूरे देश में सुनाई देने लगी। यह गीत लाला लाजपत राय के प्रकाशन का शीर्षक था, भीकाजी कामा के उस तिरंगे पर अंकित था जो उन्होंने जर्मनी में फहराया। यही गीत पंडित रामप्रसाद बिस्मिल की क्रांति गीतांजलि में भी शामिल था। इसकी लोकप्रियता से भयभीत होकर ब्रिटिश सरकार ने इसे प्रतिबंधित कर दिया, क्योंकि वंदे मातरम उसे दौरान भारत की आज़ादी की धड़कन बन चुका था। कांग्रेस अध्यक्ष ने कहा कि महात्मा गांधी ने भी इस गीत की प्रशंसा करते हुए 1915 में लिखा ष्वंदे मातरम् बंगाल में हिंदू–मुसलमान दोनों के बीच सबसे शक्तिशाली युद्धघोष बन गया था। यह साम्राज्यवाद विरोधी उद्घोष था। जब मैंने इसे पहली बार सुना, तो यह मुझे मंत्रमुग्ध कर गया और मैं इससे भारत के शुद्धतम राष्ट्रीय भाव को जोड़ने लगा।

SC के आदेश पर मेनका गांधी का सवाल

8 लाख आवारा कुत्ते कहाँ रखेंगे, आश्रयस्थल कहाँ हैं ?

नई दिल्ली, एजेंसी। सुप्रीम कोर्ट द्वारा स्कूलों, कॉलेजों, अस्पतालों, रेलवे स्टेशनों और बस स्टॉप सहित सभी सार्वजनिक संस्थानों से आवारा कुत्तों को हटाने के आदेश के बाद, पशु अधिकार कार्यकर्ता और भाजपा नेता मेनका गांधी ने शुक्रवार को गहरी चिंता व्यक्त की और कहा कि आवारा कुत्तों को रखने के लिए पर्याप्त पशु आश्रय स्थल नहीं हैं। एएनआई से बात करते हुए, उन्होंने कहा कि यह न्यायमूर्ति पारदीवाला के फैसले जितना ही बुरा है, या उससे भी बदतर है। इसे अमल में नहीं लाया जा सकता... अगर 5000 कुत्तों को हटा दिया जाता है, तो आप उन्हें कहाँ रखेंगे? आपको 50 आश्रय स्थलों की आवश्यकता है... लेकिन आपके पास वह भी नहीं है। मेनका गांधी ने आगे कहा कि आपको उन्हें उठाने के लिए लोगों की आवश्यकता है। 5000 कुत्तों को हटाने से क्या फर्क पड़ेगा? अगर यहाँ 8 लाख कुत्ते हैं, तो 5000 कुत्तों को हटाने से क्या बदलाव आएगा?... सवाल यह है कि अगर यह संभव होता, तो यह किया जाता। इस बीच, सुप्रीम कोर्ट की वकील और याचिकाकर्ता ननिता शर्मा ने कहा कि आज का आदेश 11 अगस्त के पिछले आदेश जैसा ही है।

उच्चतम न्यायालय ने उज्जैन में मस्जिद गिराए जाने के खिलाफ याचिका खारिज की

नई दिल्ली, एजेंसी। उच्चतम न्यायालय ने मध्यप्रदेश के उज्जैन में एक मस्जिद के गिराए जाने के खिलाफ दायर याचिका शुक्रवार को खारिज कर दी। मस्जिद को भूमि अधिग्रहण के बाद ध्वस्त कर दिया गया था। तकिया मस्जिद जनवरी में उस जमीन के अधिग्रहण के बाद ध्वस्त कर दी गई थी जिस पर यह बनी थी। कहा जाता है कि मस्जिद लगभग 200 साल पहले बनी थी। अधिकारियों ने उज्जैन में महाकाल लोक परिसर के पार्किंग स्थल का विस्तार करने के लिए भूमि अधिग्रहण की कार्यवाही शुरू की थी। शुक्रवार को सुनवाई के दौरान, 13 याचिकाकर्ताओं का प्रतिनिधित्व करने वाले वकील ने उच्चतम न्यायालय को बताया कि 200 साल पुरानी मस्जिद को इसलिए गिराया गया क्योंकि पार्किंग स्थल की आवश्यकता थी।

महाराष्ट्र में मंत्री के बेटे को दलितों की जमीन कौड़ियों में बेची, मोदी हैं मौन : राहुल

नयी दिल्ली, एजेंसी। कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष तथा लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी ने भारतीय जनता पार्टी के नेतृत्व वाली गठबंधन सरकार को दलित विरोधी करार देते हुए प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी पर हमला किया और कहा कि महाराष्ट्र के एक प्रभावशाली मंत्री के बेटे को दलितों के लिए आरक्षित सरकारी जमीन कौड़ियों के भाव बेची जाती है लेकिन श्री मोदी इस पर कुछ नहीं बोलते। उन्होंने कहा कि इस जमीन की कीमत 1800 करोड़ रुपए से अधिक है लेकिन राज्य सरकार के प्रभावशाली मंत्री के बेटे को

कंपनी चलाने के लिए सरकार ने यह जमीन महज 300 करोड़ रुपए में बेच दी और स्टाम्प ड्यूटी में भी छूट भी दे दी। आश्चर्य की बात यह है कि खुद को दलितों का हितैषी बताने वाले प्रधानमंत्री मोदी इस बारे में मौन साध लेते हैं। श्री गांधी ने सोशल मीडिया एक्स पर शुक्रवार को एक पोस्ट में कहा कि महाराष्ट्र में दलितों के लिए आरक्षित 1800 करोड़ रुपए की सरकारी ज़मीन सिर्फ़ 300 करोड़ रुपए में मंत्री जी के बेटे की कंपनी को बेच दी गई है। ऊपर से स्टाम्प ड्यूटी भी हटा दी। मतलब एक तो लूट और उस पर कानूनी मुहर में भी छूट। कांग्रेस नेता ने कहा ये है ज़मीन चोरी, उस सरकार की, जो खुद श्वोट चोरीश्से बनी है।

बंगाल में सैन्य अड्डे से बांग्लादेशी घुसपैठी गिरफ्तार, सेना ने पकड़ी फर्जी आईडी, बड़े रैकेट का शक

सिलीगुड़ी, एजेंसी। भारतीय सेना ने पश्चिम बंगाल में सिलीगुड़ी के पास बेंगदुबी सैन्य अड्डे पर असैन्य मजदूर के रूप में काम कर रहे एक बांग्लादेशी नागरिक को हिरासत में लिया है। यह गिरफ्तारी रणनीतिक रूप से महत्वपूर्ण चिकन्स नेक क्षेत्र के पास स्थित इस अड्डे पर तैनात असैन्य मजदूरों के पुनर्सत्यापन के दौरान हुई। अधिकारियों ने बताया कि मजदूर के पास आधार कार्ड, पैन कार्ड और मतदाता पहचान पत्र के साथ–साथ बांग्लादेशी राष्ट्रीयता पहचान पत्र भी मिला। सेना अधिकारियों ने कहा कि नियमित क्रॉस–चेकिंग के दौरान, व्यक्ति की पहचान संदिग्ध पाई गई। विस्तृत सत्यापन किया

गया और जल्द ही पता चला कि उस व्यक्ति के पास कई भारतीय पहचान पत्र थे। अधिकारियों ने पुष्टि की कि उसे आगे की जाँच और कानूनी प्रक्रियाओं के लिए बुधवार को पुलिस को सौंप दिया गया। रक्षा अधिकारी के अनुसार, सैन्य खुफिया और जमीनी इकाइयाँ पूरी तरह सतर्क हैं और संवेदनशील सैन्य ठिकानों पर नागरिक पहुँच बिंदुओं की लगातार जाँच कर रही हैं। अधिकारी ने आगे कहा कि जोखिम को कम करने और घुसपैठ के प्रयासों को रोकने के लिए यह सक्रिय सत्यापन अभ्यास समय–समय पर जारी रहेगा। उन्होंने कहा, ष्यह घटना इस तथ्य को उजागर करती है कि बड़ी संख्या में बांग्लादेशी नागरिकों के पास धोखाधड़ी से बनाए गए भारतीय राष्ट्रीयता के दस्तावेज़ हैं और वे देश में रोज़गार पाने के लिए इनका बड़े पैमाने पर इस्तेमाल कर रहे हैं।

बेलगावी में भड़के गन्ना किसान, कर्नाटक के मंत्री की कार पर फेंकी चप्पलें

बेलगावी, एजेंसी। बेलगावी में 6 नवंबर को उस समय तनावपूर्ण स्थिति पैदा हो गई जब प्रदर्शनकारी गन्ना किसानों ने कथित तौर पर कर्नाटक के मंत्री शिवानंद पाटिल की कार पर चप्पलें फेंकी। किसान अपने गन्ने के लिए अधिक कीमतों की मांग को लेकर लगातार विरोध प्रदर्शन कर रहे हैं और गुरुवार को यह आंदोलन आठवें दिन में प्रवेश कर गया। मंत्री आंदोलनकारी किसानों से बात करने और उनकी शिकायतों को सीधे समझने के लिए धरना स्थल पर पहुँचे थे। संभावित राष्ट्रीय राजमार्ग नाकेबंदी के बारे में पूछे गए सवालों का जवाब देते हुए मंत्री पाटिल ने कहा कि मैं यहाँ अपील करने आया हूँ, स्थिति को और न बिगाड़ने की। गन्ने की कीमतें तय करने का अधिकार राज्य सरकार के पास नहीं है। उचित और लाभकारी मूल्य (थ्त्च) केंद्र द्वारा तय किया जाता है। केंद्रीय चीनी मंत्री, जो हमारे राज्य से भी हैं, ने अभी तक कोई पहल नहीं की है। इस मुद्दे को सुलझाने का अधिकार और ज़िम्मेदारी केंद्र सरकार के पास है। पाटिल ने बताया कि मुख्यमंत्री सिद्धारमैया शुक्रवार को कर्नाटक भर के चीनी मिल मालिकों से मिलेंगे, जहाँ अंतिम निर्णय लिए जाने की उम्मीद है।

रज्जू भय्या विवि में वन्दे मातरम् का सामूहिक गायन

प्रयागराज। शासनादेश उत्तर प्रदेश सरकार के अनुपालन में प्रो. राजेन्द्र सिंह रज्जू भय्या विश्वविद्यालय प्रयागराज में वन्दे

मातरम् गायन के माध्यम से उसकी सत्ता महत्ता को विवेचित किया गया। बंकिम चन्द्र चटर्जी द्वारा रचित वन्दे मातरम् के 150 वर्ष की पूर्णता पर कार्यक्रम आयोजित हुआ। वन्दे मातरम् गायन में विश्वविद्यालय के प्राध्यापक डॉ. प्रवीण कुमार द्विवेदी, डॉ. प्रशान्त सिंह, डॉ. पीयूष मिश्र, डॉ. प्रिया झा तथा डॉ. पूजा सिंह सहित सैकड़ों छात्रों ने उत्साहपूर्वक सहभागिता की।

पूजा विशेष रेलगाड़ियों का संचालन

भारतीय रेल द्वारा अपने सम्मानित रेल यात्रियों की सुविधा को ध्यान में रखते हुए निम्नलिखित पूजा विशेष रेलगाड़ियों के संचालन का निर्णय लिया गया है, जिसका विवरण निम्नवत है:–

गाड़ी संख्या 03287/03288 दानापुर-पुणे जंक्शन-दानापुर पूजा विशेष रेलगाड़ी

03287 दानापुर - पुणे जंक्शन			03288 पुणे जंक्शन- दानापुर	
आगमन	प्रस्थान	स्टेशन	आगमन	प्रस्थान
----	23:45	दानापुर	17:45	-----
06:45	06:50	प्रयागराज छिवकी जंक्शन	11:30	11:35
08:00	-----	पुणे जंक्शन	-----	10:00

• **दानापुर से** – गाड़ी संख्या 03287 दिनांक 11.11.2025 व 12.11.2025
• **पुणे जंक्शन से** – गाड़ी संख्या 03288 दिनांक 12.11.2025 व 13.11.2025
• **गाड़ी संरचना :** सामान्य श्रेणी–11, स्लीपर श्रेणी – 08

गाड़ी संख्या 05261/05262 बरौनी जंक्शन-अहमदाबाद जंक्शन-बरौनी जंक्शन पूजा विशेष रेलगाड़ी

05261 बरौनी जं-अहमदाबाद जं.			05262 अहमदाबाद जं.-बरौनी जं.	
आगमन	प्रस्थान	स्टेशन	आगमन	प्रस्थान
----	22:00	बरौनी जंक्शन	19:30	-----
08:30	08:35	प्रयागराज छिवकी जंक्शन	09:00	09:05
07:00	-----	अहमदाबाद जंक्शन	-----	09:00

• **बरौनी जंक्शन से** – गाड़ी संख्या 05261 दिनांक 11.11.2025 व 12.11.2025
• **अहमदाबाद जंक्शन से** – गाड़ी संख्या 05262 दिनांक 13.11.2025 व 14.11.2025 **गाड़ी संरचना :** सामान्य श्रेणी–08, स्लीपर श्रेणी–08, वातानुकूलित तृतीय श्रेणी (इकोनॉमी)–02

गाड़ी संख्या 07049/07050 चर्लपल्ली-दानापुर-चर्लपल्ली विशेष रेलगाड़ी

07049 चर्लपल्ली-दानापुर			07050 दानापुर-चर्लपल्ली	
आगमन	प्रस्थान	स्टेशन	आगमन	प्रस्थान
----	09:30	चर्लपल्ली	07:30	-----
12:00	12:05	प्रयागराज छिवकी जंक्शन	03:55	04:00
19:45	-----	दानापुर	-----	21:15

• **चर्लपल्ली से** – गाड़ी संख्या 07049 दिनांक 09.11.2025 व 16.11.2025 (प्रत्येक रविवार) • **दानापुर से** – गाड़ी संख्या 07050 दिनांक 10.11.2025 व 17.11.2025 (प्रत्येक सोमवार) **गाड़ी संरचना :** वातानुकूलित द्वितीय श्रेणी–02, वातानुकूलित तृतीय श्रेणी–04, स्लीपर श्रेणी–13, सामान्य श्रेणी –03

नोट : ट्रेनों की समय-सारणी से सम्बन्धित जानकारी हेतु हेल्पलाइन नं0 139 या Railmadad Mobile App या वेबसाइट railmadad.indianrailways.gov.in का प्रयोग करें।

उत्तर मध्य रेलवे

@CPRONCR | North central railways | www.ncr.indianrailways.gov.in | 2091/25 (C)

उत्तर मध्य रेलवे

No.: CC-6/E-Auction/Commercial Publicity/2024 Dated: 06.11.2025

ई-नीलामी के लिए सूचना

वरिष्ठ मंडल वाणिज्य प्रबंधक, उत्तर मध्य रेलवे, प्रयागराज रेलवे बोर्ड के पत्र दिनांक 13.06.2022 के अंतर्गत प्रयागराज मंडल के विभिन्न स्टेशनों पर बहुउद्देश्यीय स्टाल और खानपान स्टाल अनुबंध के लिए आईआरईपीएस के ई-नीलामी मॉड्यूल के माध्यम से बोलियां आमंत्रित करता है। कैटरिंग:-

S. No. : 1	E-Auction Catalogue No. : PRYJ-MPS-25-15

Details of publicity: विभिन्न रेलवे स्टेशनों पर 05 वर्ष की अवधि के लिए बहुउद्देशीय इकाईयाँ: अलीगढ़ (01 स्थान), हाथरस (01 स्थान), इटावा (01 स्थान), कानपुर अनवरगंज (01 स्थान), मिर्जापुर (01 स्थान)

E-Auction Start Date & Time : 10.11.2025 at 11.00 hrs

S. No. : 2	E-Auction Catalogue No. : PRYJ-CATG-25-39

Details of publicity: विभिन्न स्टेशनों पर 05 वर्ष की अवधि के लिए खानपान और फल एवं जूस बार इकाइयाँ: इरादतगंज (01 स्थान), हाथरस (02 स्थान), दनवार (01 स्थान), दनकौर (01 स्थान), खागा (03 स्थान), मैनपुरी (02 स्थान), दादरी (01 स्थान), नैनी (02 स्थान), सिराथू (01 स्थान), कानपुर अनवरगंज (01 स्थान), भरवारी (01 स्थान), इटावा (01 स्थान), प्रयागराज छिवकी (01 स्थान)

E-Auction Start Date & Time : 10.11.2025 at 11.00 hrs

S. No. : 3	E-Auction Catalogue No. : PRYJ-CATG-25-39

Details of publicity: प्रयागराज छिवकी रेलवे स्टेशन पर 05 वर्ष की अवधि के लिए 01 जलपान कक्ष

E-Auction Start Date & Time : 10.11.2025 at 11.00 hrs

S. No. : 4	E-Auction Catalogue No. : PRYJ-CATG-25-40

Details of publicity: 05 वर्ष की अवधि के लिए विभिन्न स्टेशनों पर खानपान इकाइयाँ: डभौरा (01 स्थान), सिराथू (02 स्थान), जालेसर सिटी (01 स्थान), भरवारी (01 स्थान), खुर्जा (02 स्थान), शंकरगढ़ (01 स्थान), सोनभद्र (01 स्थान), फफूंद (01 स्थान), मैनपुरी (01 स्थान), खागा (01 स्थान)

E-Auction Start Date & Time : 11.11.2025 at 11.00 hrs

S. No. : 5	E-Auction Catalogue No. : PRYJ-CATG-25-41

Details of publicity: 05 वर्षों की अवधि के लिए विभिन्न स्टेशनों पर खानपान इकाइयाँ: दादरी (03 स्थान), चोला (01 स्थान), खागा (01 स्थान)

E-Auction Start Date & Time : 12.11.2025 at 11.00 hrs

S. No. : 6	E-Auction Catalogue No. : PRYJ-CATG-25-42

Details of publicity: विभिन्न स्टेशनों पर 05 वर्ष की अवधि के लिए खानपान और फल एवं जूस बार इकाइयाँ: नैनी (01 स्थान), खुर्जा (01 स्थान), चुनार (01 स्थान), शंकरगढ़ (01 स्थान), सिराथू (01 स्थान), भरथना (01 स्थान), फफूंद (01 स्थान), प्रयागराज (01 स्थान), फतेहपुर (01 स्थान), टूंडला (01 स्थान), इरादतगंज (01 स्थान), फिरोजाबाद (01 स्थान)

E-Auction Start Date & Time : 13.11.2025 at 11.00 hrs

इच्छुक बोलीदाता अधिक जानकारी के लिए, ई-नीलामी में भाग लेने के लिए आधिकारिक वेबसाइट www.ireps.gov.in पर जा सकते हैं।

महत्वपूर्ण सूचना:- (1) बोलीदाताओं, जो ई-नीलामी मॉड्यूल में भाग लेना चाहते हैं, के पास वैध डिजिटल हस्ताक्षर प्रमाणपत्र (डीएससी) होना चाहिए और इसे भारत सरकार के प्रमाणन प्राधिकरण (सीसीए) के नियंत्रक के किसी भी प्रमाणित प्राधिकारी से प्राप्त किया जा सकता है, इसका विवरण www.cca.gov.in से प्राप्त किया जा सकता है। (2) बोलीदाताओं को आईआरईपीएस (वाणिज्यिक नीलामी मॉड्यूल) में खुद को ऑनलाइन पंजीकृत कराना होगा। (3) एकमुश्त पंजीकरण शुल्क रु.10,000.00 और लागू जीएसटी (गैर-वापसी योग्य) को किसी भी व्यावसायिक नीलामी में भाग लेने से पहले ऑनलाइन भुगतान करना होगा। (4) इस ई-नीलामी संबंध में अधिक जानकारी, आवश्यकता और विभिन्न पहलुओं के लिए, इच्छुक बोलीदाताओं को http://www.ireps.gov.in/epsn/jsp/common/ learningCenter.jsp पर जाने की सलाह दी जाती है। (5) अर्निंग मनी डिपॉजिट (ईएमडी): नीलामी के दौरान ऑनलाइन जमा की जाने वाली कुल संविदात्मक बोली मूल्य का 10%, सफल बोलीदाता की ईएमडी सुरक्षा जमा के रूप में रखी जाएगी। (6) रेल प्रशासन किसी भी समय (या कोई निर्णय लेने के लिए) इन अनुबंधों को समाप्त करने का पूर्ण और पूर्ण अधिकार सुरक्षित रखता है। (7) रेल प्रशासन इन गाड़ियों के जारी रहने/बंद होने या नई गाड़ी सेवाओं के शुरू होने के आधार पर किसी भी समय (या कोई निर्णय लेने के लिए) इन अनुबंधों को समाप्त करने का पूर्ण और पूर्ण अधिकार सुरक्षित रखता है। (यह मद एस एल आर/डी पी को फटे पर देने से सम्बंधित है)। (8) सफल बोली लगाने वाले को समय-समय पर भारत सरकार द्वारा प्रभावी जीएसटी का भुगतान करना होगा। रेल प्रशासन इसके लिए उत्तरदाई नहीं होगा। 2089/25(A)

f North central railways | @CPRONCR | www.ncr.indianrailways.gov.in

प्रेमी के घर जबरन घुसी, बोली- मेरी मांग भरो, जाने को कहा तो 15 लाख मांगे

प्रयागराज में परेशान होकर नदी में कूदा, मौत

प्रयागराज (संवाददाता)। प्रयागराज में प्रेमिका से परेशान होकर युवक ने सुसाइड कर लिया। वजह यह थी कि घरवाले शादी के लिए राजी नहीं हुए तो प्रेमिका उसके घर पहुंच गई। इतना ही नहीं, वह प्रेमी के कमरे में रहने भी लगी। प्रेमी के घरवाले उसे भगाते तो झगड़ा करती। जब प्रेमी उसे घर जाने को कहता तो लड़की कहती– पहले मांग में सिंदूर भरो...।

चार दिन तक प्रेमिका बिना शादी के युवक के घर रही। सुबह–शाम लड़ाई–झगड़े और मारपीट की नौबत के बीच समझौते की कोशिश हुई। लड़की ने वहां से जाने के लिए 5 लाख रुपए मांगे। प्रेमी देने के लिए राजी हो गया। इसके बाद लड़की 15 लाख रुपए की मांग करने लगी।

इससे परेशान होकर युवक टोंस नदी में कूद गया। 10 घंटे बाद गोताखोरों ने उसकी लाश बरामद की। मामले में शुक्रवार को प्रेमिका और उसके पिता को गिरफ्तार कर लिया गया है। इससे पहले दैनिक भास्कर की टीम गुरुवार को युवक के घर कौंधियारा थाना क्षेत्र के पिपरहटा गांव पहुंची और परिजनों से बात की।

शेषमणि यादव (22) दूध डेयरी चलाता था। उसका पड़ोस में रहने वाली लड़की से दो साल से अफेयर चल रहा था। दोनों ही एक ही जाति के थे, इसलिए उन्हें लगता था कि शादी आसानी से हो जाएगी। युवक ने अपने घर में शादी की बात की तो घरवालों ने मना कर दिया। उन्होंने डराया और कसमें खिलाईं कि वह अब कभी लड़की से बात नहीं करेगा। परिवार के कहने पर शेषमणि ने भी लड़की से रिश्ता तोड़ दिया।

इधर, प्रेमिका प्यार में धोखा मिलने के बाद लगातार कोशिश करती रही कि प्रेमी और उसके घरवाले मान जाएं, लेकिन ऐसा नहीं हो सका। धीरे–धीरे दोनों के रिश्ते की कहानी पूरे गांव में फैल गई। 1 नवंबर को लड़की बिना शादी के शेषमणि के घर पहुंच गई।

वह जबरन उसके घर में घुसकर एक कमरे में रहने लगी। लड़की ने कहा– मैंने प्यार किया है, मुझे शादी करनी है। हम एक–दूसरे को ऐसे नहीं छोड़ सकते। अब यही मेरी ससुराल है। मुझे यहीं रहना है। शेषमणि के घरवालों ने उसे भगाने की कोशिश की, लेकिन वह नहीं गई।

2 नवंबर की सुबह शेषमणि की मां जल्दी उठीं। कुछ देर बाद लड़की भी उठी। दोनों में झगड़ा शुरू हो गया। शेषमणि की मां ने धक्के देकर लड़की को घर से भगाने की कोशिश की, लेकिन वह नहीं गई। घर में खूब झगड़ा हुआ। इसके बाद लड़की के घरवालों को बुलाया गया।

शेषमणि के घरवालों ने कहा– अपनी बेटी को यहां से ले जाओ। मेरे बेटे से इसकी शादी नहीं हो सकती, न ही यह मेरे घर में रह सकती है। इस पर लड़की के घरवालों ने कहा– इतने दिन प्यार का खेल खेला,

अब शादी करने में क्या दिक्कत है? जब प्यार किया है तो अब शादी करके साथ रखो।

शेषमणि की बहन गीत ने कहा, "लड़की के परिवार वालों ने रुपए की मांग भी रखी। पहले 5 लाख रुपए मांग रहे थे। जब घरवाले 5 लाख देने को राजी हो गए तो फिर 15 लाख रुपए की मांग करने लगे। यहां तक धमकी दी कि अगर पैसा नहीं मिला तो जान से मरवा देंगे।

इसके बाद हम लोग पंचायत बुलाने जा रहे थे। इसी बीच, बुधवार सुबह करीब आठ बजे भाई घर से निकला। काफी देर तक तलाश की, लेकिन नहीं मिला। इसके बाद पुलिस को सूचना दी गई। गोताखोरों और मल्लाहों की टीम पूरे दिन उसकी तलाश में जुटी रही। देर शाम करीब छह बजे उसका शव बरामद हुआ।

मेरे भाई का उस लड़की से कोई गलत संबंध नहीं था। पहले फोन पर बात होती थी, लेकिन बाद में लड़की अपने घरवालों के इशारे पर जबरदस्ती हमारे घर आ गई। वह भाई से मांग में सिंदूर भरने की जिद कर रही थी। हमारा भाई इसके लिए तैयार नहीं था। इसी दबाव में उसने जान दे दी।"

कौंधियारा पुलिस ने युवती मोहिनी यादव, उसके पिता राजकुमार यादव को गिरफ्तार कर लिया है। साथ ही 16 वर्षीय नाबालिग रिश्तेदार को पुलिस ने अभिरक्षा में लिया है। परिवार के एक अन्य की तलाश की जा रही है। इन पर ब्लैकमेलिंग, वसूली करने, दबाव बनाने और आत्महत्या के लिए उकसाने का आरोप है।

थाना प्रभारी कुलदीश शर्मा के मुताबिक, पितादृबेटी और अन्य ने प्लानिंग के तहत युवक को आत्महत्या के लिए उकसाया। जबरन युवक के घर जाकर हंगामा कराती रही। ऐसे में शेषमणि के परिवार की तहरीर पर केस दर्ज कर सभी को गिरफ्तार किया गया है। आगे की जांच जारी है।

करीबी ही कातिल, धान काटने वाली दरांती से कत्ल

प्रयागराज में किशोरी की नृशंस हत्या में अहम क्लू, तीन टीमें संदिग्धों को उठाने में जुटीं

प्रयागराज (संवाददाता)। प्रयागराज में 15 साल की किशोरी की हत्या में किसी करीबी का ही हाथ होने की आशंका है। अब तक कि जांच में पुलिस को यही क्लू मिला है कि किशोरी को जानने वाले ने ही इस वारदात को अंजाम दिया। पोस्टमार्टम के बाद यह भी माना जा रहा है कि हत्या के लिए धान काटने वाली दांतेदार दरांती का इस्तेमाल किया गया। फिलहाल खुलासे के लिए लगी तीन टीमें लगातार संदिग्धों की तलाश में जुटी रहीं।

करीबी का हाथ होने की थ्योरी की वजह क्या

घटनास्थल घर से महज 100 मीटर की दूरी पर है लेकिन किसी ने भी किशोरी की चीखपुकार की आवाज नहीं सुनी। ऐसे में इस बात की पूरी आशंका है कि उसे बहलाफुसलाकर ले जाया गया हो।

मौके पर पहुंचा ट्रैकर डॉग भी गांव से बाहर जाने वाले रास्ते पर नहीं गया। वह घटनास्थल से सीधे मृतका के घर पहुंचा और फिर वहीं आसपास मंडराता रहा।

वारदात के दौरान किसी तरह का फोर्स अप्लाई नहीं हुआ। मृतका के शरीर पर संघर्ष के निशान भी नहीं हैं। यानी उसे धोखे से ले जाकर कत्ल किया गया।

पुलिस ने प्रारंभिक छानबीन के बाद ही सेक्सुअल असॉल्ट की बात से इंकार किया था और पोस्टमार्टम में भी यह दावा सही साबित हुआ।

परिवारवालों ने किसी से रंजिश होने की बात से इंकार किया है। किशोरी मानसिक रूप से कमजोर थी, ऐसे में उससे किसी की रंजिश की बात भी गले नहीं उतरती।

पांच अहम बातें जो पोस्टमार्टम में सामने आईं...

दो डॉक्टरों के पैनल ने वीडियाग्राफी के बीच किशोरी के शव का पोस्टमार्टम किया। इसमें गर्दन पर आगे की ओर बाईं तरफ गहरे जख्म के अलावा शरीर पर अन्य कोई चोट का निशान नहीं मिला। मौत का कारण हेमोरेजिक शॉक ड्यू टु एक्सेसिव ब्लीडिंग आया है। शरीर पर किसी तरह का एब्रेजन मार्क भी नहीं है यानी खरोंच तक का निशान नहीं मिला है। मतलब उसे संघर्ष करने तक का मौका नहीं मिला।

इस हत्याकांड में सबसे उलझाने वाला तथ्य मौत का समय है। पोस्टमार्टम के दौरान पता चला कि शव लगभग 15–16 घंटे पुराना है। पोस्टमार्टम बृहस्पतिवार शाम लगभग चार बजे हुआ। इस हिसाब से देखा जाए तो मौत बुधवार रात हुई। जबकि घरवालों ने पुलिस को बताया था कि किशोरी सुबह 5रू30 बजे के करीब घर से निकली।

सूत्रों के मुताबिक, पोस्टमार्टम के दौरान यह बात भी सामने आई कि मृतका की गर्दन पर जो चोट का निशान मिला, वह दांतदार हथियार से पहुंचाई गई। गांवों में लगभग हर घरों में धान काटने वाली दांतदार दरांती रहती है। ऐसे में आशंका यही है कि नृशंस कत्ल की इस वारदात में दरांती का इस्तेमाल हुआ।

गुरुवार की देर शाम पोस्टमार्टम के बाद परिजनों को सौंपा गया। पुलिस ने बताया

कि परिजनों ने अंतिम संस्कार शुक्रवार को करने का निर्णय लिया है। उधर पोस्टमार्टम के बाद शव घर लाया गया तो परिजनों में कोहराम मच गया।

डीसीपी यमुनानगर विवेक चंद्र यादव ने बताया, ष्पोस्टमार्टम करा दिया गया है। परिवार की कोई रंजिश अब तक सामने नहीं आई है। जांच पड़ताल में कुछ अन्य बिंदु सामने आए हैं, जिन पर डिटेल इनवेस्टिगेशन कराया जा रहा है। उम्मीद है कि खुलासा जल्द किया जाएगा।

घूरपुर के कांटी गांव में रहने वाले रमेश कुमार की बेटी सरिता मानसिक रूप से दिव्यांग थी। रमेश कुमार ने बताया कि बेटी अक्सर घर से निकल जाया करती थी और कुछ देर बाद वापस आ जाती थी। गुरुवार सुबह 5.30 बजे सरिता घर से निकली तो घरवालों ने सोचा कि थोड़ी देर में आ जाएगी, लेकिन वह देर तक वापस नहीं लौटी।

पिता ने बताया कि सरिता के न लौटने पर उसकी तलाश शुरू की। करीब 8 बजे गांव के कुछ लोगों ने बताया कि खेत में सरिता खून से लथपथ पड़ी है। हम सभी भागकर घर से करीब 100 मीटर दूर पानी भरे खेत में पहुंचे तो देखा कि उसकी गर्दन पर गहरा जख्म था और उसकी मौत हो चुकी थी।

सरिता माता–पिता की चार संतानों में इकलौती बेटी थी। वह तीसरे नंबर पर थी। दो भाई उससे बड़े, जबकि एक छोटा है। पिता रमेश मजदूरी कर परिवार का पालन–पोषण करते हैं। बड़ा भाई मानसिक दिव्यांग है।

प्रयागराज में टीचर की फोटो भेजकर रिश्ता तुड़वाया, सुसाइड की धमकी देकर ब्लैकमेलिंग, बाद में बदनाम किया

प्रयागराज (संवाददाता)। प्रयागराज में वॉट्सऐप पर फोटो भेजकर एक कॉलेज की 28 साल की टीचर का रिश्ता तोड़वा दिया गया। जानने वाले युवक ने सुसाइड करने की धमकी देकर ब्लैकमेलिंग कर पहले बातचीत शुरू की और उसकी गलत बातें न मानने पर बदनाम करना शुरू कर दिया। शिक्षिका ने लखनऊ के रहने वाले युवक पर करेली थाने में FIR दर्ज कराई है। शिक्षिका की मां ने बताया, उनकी बेटी कौशांबी स्थित एक कॉलेज में पढ़ाती है। उसकी शादी 28 दिसंबर 2025 को लखनऊ के एक युवक से तय हुई थी। स्कूल आने–जाने के दौरान ही बेटी लखनऊ के ही एक युवक के संपर्क में आ गई। वह पहले नैनी जेल निर्माण परियोजना में प्रोजेक्ट मैनेजर रह चुका है। बेटी उससे सोशल मीडिया के जरिये संपर्क में आई। शुरुआत में आरोपी ने बीमारी का बहाना बनाकर बातचीत शुरू की, लेकिन जब शिक्षिका ने उससे बात करना बंद कर दिया तो उसने धमकी देना शुरू कर दिया। बेटी के बारे में फेसबुक, वॉट्सऐप और ईमेल के माध्यम से गलत बातें फैलाईं। होने वाले दूल्हे के परिवार और स्कूल मैनेजमेंट को गलत बातें लिखा। मैसेज भेजकर शादी तुड़वा दी। फोटो और चौट भी भेजकर बदनाम करने की कोशिश की।

एससीएसटी एक्ट का दुरुपयोग, बयान से पलटी पीड़िता

प्रयागराज (संवाददाता)। इलाहाबाद हाई कोर्ट ने एससीध्एसटी एक्ट का पीड़िता द्वारा दुरुपयोग कर सरकारी मुआवजा लेने पर सख्त रुख अपनाया है। कोर्ट ने पीड़िता राम कली और उनकी दो बहुओं कविता और सविता को सरकार से झूठे केस कर लिया गया 4.5 लाख रुपए सरकारी मुआवजा तत्काल वापस लौटाने का आदेश दिया है। और आरोपी अपीलार्थियों पर भी 5 लाख रुपये का हर्जाना लगाया है।जिसे हाईकोर्ट कल्याण समिति में जमा करना होगा। कोर्ट ने विचारण अदालत को मुकदमे का निस्तारण बिना बदले बयान से प्रभावित हुए गुण–दोष के आधार पर तय करने का निर्देश दिया है। यह आदेश न्यायमूर्ति शेखर कुमार यादव ने रामेश्वर सिंह व 18अन्य की अपील को खारिज करते हुए दिया है।अपील में केस कार्यवाही रद करने की मांग की गई थी। प्रयागराज की राम कली (पीड़िता) ने एससीध्एसटी एक्ट और आईपीसी की विभिन्न धाराओं के तहत रामेश्वर सिंह समेत 19 लोगों के खिलाफ एफआईआर दर्ज की थी। हाई कोर्ट में दिए बयान में कहा कि उसके अंगूठे के निशान खाली कागज पर लिए गए थे, जबकि पहले उसने और उसकी बहुओं ने कोर्ट में कहा था कि उन्होंने ने एफआईआर दी हैऔर आरोपों की पुष्टि की थी ।तथा सरकार से डेढ़ डेढ़ लाख रुपये का मुआवजा भी लिया था।अब कहा कि एफआईआर नहीं की थी ,सादे कागज पर अंगूठा निशान लिया गया था। हाई कोर्ट ने कहा कि यह ष्कानूनी प्रक्रिया और एससीध्एसटी एक्ट की दयालु व्यवस्था का घोर दुरुपयोगष है। कोर्ट ने इसे ष्राज्य के साथ धोखाधड़ीष बताया। हालाँकि, कोर्ट ने मुकदमे की सच्चाई पर कोई राय नहीं दी, लेकिन पीड़िता के विरोधाभासी बयान और मुआवजा लेने के बाद आरोपों से पलटने को गंभीरता से लिया है। कोर्ट ने कहा कि राम कली, कविता और सविता को कुल 4,50,000 रुपये का मुआवजा तुरंत सरकार को वापस करना होगा। आरोपी अपीलकर्ताओं पर पांच लाख रुपये का हर्जाना भी लगाया है, जो 20 दिनों में हाई कोर्ट वेलफेयर फंड में जमा करना होगा। कोर्ट ने कहा अगर रकम नहीं लौटाई गई, तो रजिस्ट्रार जनरल कानूनी कार्रवाई कर वसूली करेगे। ट्रायल कोर्ट को निर्देश दिया गया है कि वह पीड़िता के नए बयान से प्रभावित हुए बिना, मुकदमा कानून के मुताबिक आगे बढ़ाए। हाई कोर्ट ने अभियुक्तों की अपील खारिज कर दी और कहा कि ऐसे मामले कानून की मंशा के खिलाफ हैं और दंडात्मक कार्रवाई के योग्य हैं।

अमिताभ बच्चन का स्कूल अफसर–पूर्व जज की निगरानी में

प्रयागराज (संवाददाता)। प्रयागराज का ब्यायज हाई स्कूल एंड कॉलेज जहां मेगा स्टार अमिताभ बच्चन ने अपनी शुरुआती शिक्षा हासिल की। अब वही कॉलेज लगातार विवादों में है। इस स्कूल एंड कॉलेज का मामला हाईकोर्ट तक पहुंचा है। इलाहाबाद हाईकोर्ट ने ब्यायज हाई स्कूल एंड कॉलेज, गर्ल्स हाई स्कूल एंड कॉलेज के प्रधानाचार्य के लंबे समय से चल रहे विवाद को लेकर आदेश पारित किया है। कोर्ट ने निर्देश दिया है कि ब्यायज हाईस्कूल एंड कॉलेज तथा गर्ल हाई स्कूल एंड कॉलेज के खातों का संचालन प्रिंसिपल एवं किसी अन्य अधिकारी के द्वारा जो एडीएम रैंक से नीचे का अधिकारी न हो जिसे डीएम ने इस हेतु नियुक्त किया हो उसके द्वारा किया जाएगा।

जीबी पंत संस्थान के हॉस्टल में रैगिंग की शिकायत

प्रयागराज (संवाददाता)। प्रयागराज के गोविंद बल्लभ पंत सामाजिक विज्ञान संस्थान के हॉस्टल में रहने वाले एक शोधार्थी ने रैगिंग की शिकायत की है। हालांकि रैगिंग की पुष्टि नहीं हुई है। शिकायत करने वाला व आरोपी छात्र दोनों हॉस्टल के एक ही कमरे में रहते थे। शिकायत के बाद आरोपी छात्र को हास्टल से बाहर कर दिया गया है। संस्थान की कार्यवाहक निदेशक प्रो. अर्चना सिंह के मुताबिक, दोनों शोध छात्र के हैं। उन दोनों बीच के कुछ दिनों से विवाद चल रहा था। बताया जा रहा है कि 2 दिन पहले ही दोनों के बीच मारपीट भी हुई थी। इसमें एक छात्र ने रैगिंग की शिकायत दर्ज कराई है। इस मामले की जांच कराई जा रही है। शिकायत करने वाले छात्र को हास्टल से बाहर कर दिया गया है। शिकायत आदि की रिपोर्ट एंटी रैगिंग सेल और यूजीजी को उपलब्ध करा दी गई है। जांच रिपोर्ट के आने के बाद पता चलेगा कि पूरा मामला क्या है।

आर्य कन्या कॉलेज में फीस से अधिक वसूली

प्रयागराज (संवाददाता)। प्रयागराज के आर्य कन्या डिग्री कॉलेज में कथित अवैध शुल्क वसूली और गैर–कानूनी गवर्निंग बॉडी के खिलाफ अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद (।ठटच) ने प्रदर्शन किया। परिषद ने कॉलेज प्रशासन से अतिरिक्त शुल्क वापस करने और अवैध रूप से अध्यक्ष पद पर काबिज पंकज जायसवाल को हटाने की मांग की है। अभाविप के अनुसार, कॉलेज में विधि पंचवर्षीय पाठ्यक्रम के छात्रों से 8,000 रुपए की अतिरिक्त फीस ली जा रही है।

पूजा विशेष रेलगाड़ियों का संचालन

भारतीय रेल द्वारा अपने सम्मानित रेल यात्रियों की सुविधा को ध्यान में रखते हुये पूजा विशेष रेलगाड़ियों के संचालन का निर्णय लिया गया है, जिसका विवरण निम्नवत है:-

(1) गाड़ी संख्या 05265 बरौनी जं. - बान्द्रा टर्मिनस पूजा विशेष रेलगाड़ी

स्टेशन	आगमन	प्रस्थान
बरौनी जं.	--	12:00
प्रयागराज छिवकी	21:40	21:50
बान्द्रा टर्मिनस	05:45	--

बरौनी जं. से: गाड़ी संख्या 05265, दिनांक 11.11.2025

(2) गाड़ी संख्या 05267 बरौनी जं. - बान्द्रा टर्मिनस पूजा विशेष रेलगाड़ी

स्टेशन	आगमन	प्रस्थान
बरौनी जं.	--	12:00
प्रयागराज छिवकी	21:40	21:50
बान्द्रा टर्मिनस	05:45	--

बरौनी जं. से: गाड़ी संख्या 05267, दिनांक 12.11.2025

(3) गाड़ी संख्या 05263 बरौनी जं. - एरणाकुलम जं. पूजा विशेष रेलगाड़ी

स्टेशन	आगमन	प्रस्थान
बरौनी जं.	--	20:30
प्रयागराज छिवकी	05:10	05:15
एरणाकुलम जं.	06:00	--

बरौनी जं. से: गाड़ी संख्या 05263, दिनांक 11.11.2025 एवं 12.11.2025

(4) गाड़ी संख्या 05545 मुजफ्फरपुर जं. - सर एम. विश्वेश्वरय्या टर्मिनल बेंगलुरु पूजा विशेष रेलगाड़ी

स्टेशन	आगमन	प्रस्थान
मुजफ्फरपुर जं.	--	21:15
प्रयागराज छिवकी	05:15	05:20
सर एम. विश्वेश्वरय्या (ट.) बेंगलुरु	23:50	--

मुजफ्फरपुर जं. से: गाड़ी संख्या 05545, दिनांक 11.11.2025 एवं 12.11.2025

नोट: ट्रेनों की समय-सारणी से सम्बन्धित जानकारी हेतु हेल्पलाइन 139 या Rail Madad Mobile App या वेबसाईट www.railmadad.indianrailways.gov.in का प्रयोग करें।

उत्तर मध्य रेलवे

North central railways | www.ncr.indianrailways.gov.in | @CPRONCR | 2090/25(MG)

जय समता पार्टी ने प्रशासन को दी चेतावनी - जलभराव की समस्या का निस्तारण नहीं हुआ तो होगा आंदोलन

मुजफ्फरनगर। शहर के श्री राम कॉलेज के सामने की सड़क की बदहाल स्थिति और लगातार हो रहे जलभराव को लेकर छात्रों एवं स्थानीय निवासियों में भारी रोष व्याप्त है। कॉलेज के आसपास की सड़कें गड्ढों में तब्दील हो चुकी हैं और वर्षा के दौरान यहाँ तालाब जैसी स्थिति बन जाती है, जिससे छात्रों के साथ–साथ आमजन को भी भारी दिक्कतों का सामना करना पड़ता है।

इसी समस्या को लेकर जय समता पार्टी के युवा राष्ट्रीय अध्यक्ष अमन बंसल ने प्रशासन को कड़ी चेतावनी दी है। उन्होंने कहा कि यदि शीघ्र ही सड़क की मरम्मत और जल निकासी की उचित व्यवस्था नहीं की गई, तो पार्टी आंदोलन और धरना–प्रदर्शन करने के लिए बाध्य होगी।

अमन बंसल ने बताया कि सोमवार को इस संबंध में जिलाधिकारी मुजफ्फरनगर को एक ज्ञापन सौंपा जाएगा, जिसमें क्षेत्र की दुर्दशा और जनता की परेशानियों का विस्तृत विवरण दिया जाएगा। उन्होंने कहा कि श्री राम कॉलेज परिक्रमा मार्ग की स्थिति लंबे समय से खराब बनी हुई है, लेकिन प्रशासन इस दिशा में कोई ठोस कदम नहीं उठा रहा है।

स्थानीय निवासियों ने भी बताया कि जलभराव के कारण गंदा पानी घरों के बाहर तक भर जाता है, जिससे दुर्गंध और मच्छरों की समस्या बढ़ गई है। लोगों ने जिला प्रशासन से जल्द से जल्द स्थायी समाधान की मांग की है। युवा नेता अमन बंसल ने कहा कि जय समता पार्टी जनता की आवाज बनकर मैदान में उतरेगी और यदि प्रशासन ने लापरवाही जारी रखी तो सड़कों पर उतरकर विरोध प्रदर्शन किया जाएगा।

भाकियू अन्नदाता के संघर्ष से किसान को मिला न्याय

नियम विरुद्ध लगी 11केबी की लाइन हटाई गई

मथुरा। भारतीय किसान यूनियन अन्नदाता के संघर्ष ने पीड़ित किसान को न्याय दिलवाया। भारतीय किसान यूनियन अन्नदाता के

प्रदेश अध्यक्ष भूरा पहलवान ने बताया कि विद्युत विभाग के द्वारा ग्राम रावल में अन्य स्थान से 11केवी की विद्युत लाइन हटाकर नियम विरुद्ध नेमसिंह किसान के खेत में लगा दी गई थी। जिसका विरोध कर पीड़ित किसान ने जताई लेकिन उसकी कोई सुनवाई विद्युत विभाग ने नहीं की। भारतीय किसान यूनियन अन्नदाता के राष्ट्रीय अध्यक्ष डॉ जे एस जाट एवं प्रदेश अध्यक्ष भूरा पहलवान ने धरना प्रदर्शन कर इसके विरुद्ध आवाज उठाई तथा विद्युत विभाग के सभी उच्चाधिकारियों को किसान की समस्या से अवगत कराया। विद्युत विभाग के अधिकारियों ने पीड़ित किसान की समस्या पर संज्ञान लेते हुए 11केवी की विद्युत लाइन दूसरी स्थान पर शिफ्ट कर दी।

पीड़ित किसान नेम सिंह ने भारतीय किसान यूनियन अन्नदाता के सभी पदाधिकारियों एवं विद्युत विभाग के उच्च अधिकारियों का आभार व्यक्त करते हुए कहा कि यह जीत सिर्फ किसान की नहीं बल्कि किसान एकता, सच्चाई और संघर्ष की जीत है।

किसान नेम सिंह ने भारतीय किसान यूनियन के सभी पदाधिकारियों का पटुका और माला पहना कर सम्मान किया।

वंदे मातरम् गीत के 150 वर्ष पर आयोजन

मुजफ्फरनगर। शहीद मंगल पांडे राजकीय महिला महाविद्यालय, माधवपुरम मेरठ, में आज दिनांक 7 नवंबर 2025 को ष्राष्ट्रगीत वंदे मातरम के 150 वर्षष कार्यक्रम का आयोजन अत्यंत उत्साह के साथ किया गया। संस्कृति मंत्रालय भारत सरकार के द्वारा हमारे राष्ट्र गीत वंदे मातरम के 150 वर्ष पूरे होने के अवसर पर इस वर्ष चार चरणों में इसे एक उत्सव के रूप में आयोजित किए जाने का प्रस्ताव है, जिसका शुभारंभ महाविद्यालय में आज एक व्याख्यान एवं सामूहिक वंदे मातरम के गायन के द्वारा किया गया। इस अवसर पर महाविद्यालय की छात्राओं ने सर्वप्रथम सामूहिक रूप से वंदे मातरम का गान किया और उसके बाद महाविद्यालय के राजनीति विज्ञान विभाग प्रोफेसर डॉ रामचंद्र सिंह के द्वारा वंदे मातरम गीत के गौरवमयी इतिहास से छात्राओं को अवगत कराया गया।

कार्यक्रम का आयोजन डॉ गौरी, गृह विज्ञान विभाग एवं डॉ कुमकुम, जंतु विज्ञान विभाग के द्वारा किया गया। महाविद्यालय की प्राचार्य प्रोफेसर डॉ अंजू सिंह ने बताया की किस तरह से राष्ट्रगीत वंदे मातरम भारत के सभी लोगों को एक सूत्र में बांधे रखने का कार्य करता है एवं मन में देशभक्ति एवं देश सेवा की भावना को जागृत रखने का कार्य करता है।

इस प्रोग्राम के तहत महाविद्यालय में आगे भी आने को कार्यक्रम आयोजित किए जाएंगे ताकि सभी छात्राएं वंदे मातरम के महत्व से अवगत हो सके।

आवासीय हेल्थ केयर प्रशिक्षण का हुआ शुभारंभ

प्रयागराज। स्वर्गीय यज्ञ नारायण सेवा समिति ढोकरी फूलपुर एवं उत्तर प्रदेश कौशल विकास मिशन के सौजन्य से आज दिनांक07ध्11ध्25 शुक्रवार को आवासीय हेल्थ केयर प्रशिक्षण

कमसे कम हाई स्कूल इंटर या उच्च शिक्षा प्राप्तअठारह से पैंतीस साल की बेटियां महिलाओं के लिये प्रारम्भ हुआ जिसका उद्घाटन विधायक फूलपुर प्रयागराज ने अपने करकमलों सेफीता काटकर किया । विधायक जीने कालेज के संस्थापक प्रबन्धक श्री सुशील कुमार मिश्र के शैक्षिक सामाजिक युवाजनित प्रयासों की भूरिभूरि प्रशंसा की । प्रबन्धक मिश्र जी ने विधायक जी का उत्तरीय एवं बुके देकर स्वागत किया । इस शुभ अवसर पर डॉ० वैशाली सक्सेना मंचसंचालक प्राचार्य कवि डॉ० इन्दु प्रकाश मिश्र डॉ नरेश त्रिपाठी केशरी कुमार मिक धीरज विद्याशंकर पांडेय आमिर खान अख्तरी बानो शब्नम सूबी संध्या साक्षीअभिषेक श्रीवास्तव भोला सिंह एवं छात्र छात्रायें उपस्थित रहे।

श्री श्यामनाथ महाराज जी के वार्षिक भंड़ारे का हुआ आयोजन

बागपत, उत्तर प्रदेश। विवेक जैन। जनपद बागपत के सिसाना – निरोजपुर रोड़ पर सिसाना बांगर स्थित श्री श्यामनाथ महाराज के चमत्कारी धाम में हर वर्ष की भांति इस वर्ष भी कीर्तन और विशाल भंड़ारे का आयोजन किया गया। भंड़ारे में विभिन्न जनपदों से आये सैंकड़ों श्रद्धालुओं ने प्रसाद ग्रहण किया। विनीत चौहान ने बताया कि महाराज श्री मूल रूप से बागपत के ग्राम सिसाना के रहने वाले थे। महाराज श्री के पिता का नाम कलशाराम चौहान और माता का नाम मामकौर था। महाराज श्री 9 भाई व 1 बहन में दूसरे नम्बर के थे। बचपन से ही उनकी धार्मिक कार्यो में विशेष रूचि थी। महाराज श्री ने वर्ष 1971 में 30 से 35 वर्ष की आयु में नाथ सम्प्रदाय से सन्यास की दीक्षा ली। इसके उपरान्त उन्होंने सम्पूर्ण देश का भ्रमण किया और इस दौरान उन्होंने तप के माध्यम से अनेकों सिद्धियां हासिल की। इस दौरान महाराज श्री के महान व्यक्तित्व व ज्ञान से प्रभावित होकर सम्पूर्ण देश में उनके सैकड़ो शिष्य बने। बताया कि 8 नवम्बर 1987 को कार्तिक पूर्णिमा के दिन पतला, सोनीपत, हरियाणा में महाराज श्री ने देह त्याग किया और अश्विन मास की प्रथम तिथि 9 नवम्बर 1987 को बागपत के सिसाना–निरोजपुर मार्ग पर उनको समाधी दी गयी। बताया कि श्री श्यामनाथ जी महाराज जी सें संबद्ध मुख्य आश्रम गढ़ सरनाई पानीपत हरियाणा में है। बताया कि हर वर्ष कार्तिक पूर्णिमा को महाराज श्री की सिसाना–निरोजपुर रोड़ पर स्थित समाधि पर अखण्ड़ रामायण और सतसंग का आयोजन किया जाता है और अश्विन मास की प्रथम तिथि को विशाल भंड़ारे का आयोजन किया जाता है जिसमें देशभर के विभिन्न राज्यों से आये श्रद्धालुगण भाग लेते है। सिसाना गांव के रहने वाले महाराजश्री के शिष्यों में से एक हुकुम सिंह ने बताया कि वर्तमान में महाराज श्री की समाधी की देखभाल महाराज श्री के 7 वें नम्बर के भाई व महाराज श्री के परम भक्त ब्रहमपाल जी कर रहे है। समाधि स्थल पर भगवान शिव परिवार, भगवान हनुमान सहित अनेकों देवी–देवताओं की प्रतिमाएं विराजमान है। गुरू श्री ब्रहमपाल सिंह ने बताया कि महाराज श्री की मुख्य प्रतिमा जयपुर राजस्थान से बनवाकर समाधि स्थल पर स्थापित की गयी है। इस अवसर पर मुख्य यजमान ब्रह्मपाल गुरुजी, विनीत चौहान, हवन के पुरोहित पंडित अर्जुन मिश्रा, महामहिम राष्ट्रपति जी एवं उत्तर प्रदेश सरकार द्वारा सम्मानित वरिष्ठ पत्रकार विपुल जैन, कृष्णपाल, अभिषेक, गौरव, जोहर सिंह, हुक्म सिंह, बीना, अंशु, अंकिता, मितलेश, सुमन, क्रांति, कृष्णा, मेघा, राजकुमार, दिनेश, दुष्यंत, महेश सहित सैकड़ों श्रद्धालुगण उपस्थित थे।

महापौर ने नगर निगम द्वारा कराए गए निर्माण कार्यों सफाई एवं अन्य कार्यों की समीक्षा बैठक की

प्रयागराज। उमेश चन्द्र गणेश केसरवानी महापौर द्वारा नगर निगम द्वारा कराये जा रहे निमार्ण कार्यो सफाई एवं अन्य कार्यो की समीक्षा बैठक आहुत की गयी। उक्त बैठक में सभी अपर नगर आयुक्त,मुख्य अभियन्ता विधुतधसिविल,अधिशाशी अभियन्तागण, समस्त जोनल अधिकारी,मुख्य कर निर्धारण अधिकारी,मुख्य वित्त एवं लेखाधिकारी,पशुधन अधिकारी आदि उपस्थित रहे।

महापौर जी द्वारा विगत दिनों कार्तिक माह में किये गये कार्यो की सराहना करते हुये सभी को अच्छे कार्य के लिये धन्यवाद दिया गया। इसके अतिरिक्त शहर में चल रहे सी0एम0ग्रीड के अन्तर्गत चल रहे निर्माण कार्यो में तेजी लाने के निर्देश दिये गये। शहर में जो भी निर्माण कार्य पार्शदगणों के क्षेत्र में हो उसके कार्यादेश की प्रति उन्हे जरूर उपलब्ध करायी जाय। शहर में निरन्तर पार्शदों एवं शहर वासियों की मांग के दृश्टिगत 03 शव वाहन तथा 06 डीप फीजर तत्काल क्रय करने तथा सी0एस0एस0आर0 के तहत लेने हेतु आदेशित किया गया। पशुधन अधिकारी को निर्देश दिये गये कि होली पर सभी शहर के उन स्थानों पर गोबर के क्यूब वितरित किये जाने हेतु क्यूब निर्माण में तेजी लाने के साथ साथ होली के पूर्व सभी क्यूब तैयार कर ली जाय। सफाई की व्यवस्था और सुदृढ़ की जाय तथा रात्रि कालीन सफाई की व्यवस्था हेतु मेरे द्वारा बताये गये स्थानों ध्बाजारों में तत्काल चालू कराने के निर्देश दिये गये। वूमेन हास्टल को बनाये जाने के लिये भूमि उपलब्ध कराने हेतु जिलाधिकारी महोदय से वार्ता की गयी। मुख्य अभियन्ता द्वारा बताया गया कि नगर निगम का सदन हाल एक माह के अन्दर तैयार हो जायेगा। मा0 महापौर जी द्वारा निर्देश दिये गये कि तेलियरगंज में अवतार टाकिज के सामने आक्सीडेंट प्लान्ट स्थापित था जिसमें सीवर का पानी जाता था नाला निर्माण हो जाने के कारण वह स्थान खाली हो गया उक्त स्थान पर मल्टीलेबल पार्किंग व विवाह घर बनाये जाय। शहर के कतिपय स्थानों पर अर्बन बाजार का निर्माण किया जाय। सभी अधिकारियों से कहा गया कि नगर निगम की आय बढ़ाने का प्रयास किया जाय। प्रयास ऐसा किया जाय कि शहर के नागरिकों पर किसी प्रकार का बोझ न बढ़े व रोजगार के अवसर प्राप्त हो।

सीएमपी डिग्री कॉलेज में निबंध लेखन प्रतियोगिता का हुआ आयोजन

प्रयागराज। सी. एम. पी. डिग्री कॉलेज द्वारा राष्ट्रीय सामाजिक–वैधानिक निबंध लेखन प्रतियोगिता, 2025 का सफल समापन – 07/11/25 बी.ए.एल.एल.बी. (ऑनर्स), विधि विभाग, सी. एम. पी. डिग्री कॉलेज, प्रयागराज द्वारा आयोजित "सी. एम. पी. नेशनल सोशियो–लीगल एस्से राइटिंग कम्पटीशन, 2025" के फाइनल राउंड का सफल समापन 7 नवम्बर, 2025 को हुआ। प्रतियोगिता का विषय था कृ "स्वर्णिम वर्षों में न्यायरू भारत के वरिष्ठ नागरिकों के लिए विधिक, नैतिक एवं नीतिगत आयामों की समीक्षा।"

कार्यक्रम में भारत की तीव्र गति से वृद्ध होती जनसंख्या से जुड़ी चुनौतियों पर गहन विचार–विमर्श हुआ। प्रस्तुतियों में यह तथ्य उजागर हुआ कि वर्ष 2050 तक प्रत्येक पाँचवाँ भारतीय 60 वर्ष से अधिक आयु का होगा। लॉन्गिट्यूडिनल एजिंग स्टडी इन इंडिया (स्ौप्), 2021 का उल्लेख करते हुए बताया गया कि लगभग 3ः बुजुर्ग किसी न किसी प्रकार के दुराचार का शिकार होते हैं, जबकि लगभग 57ः बुजुर्ग अपने साथ दुर्व्यवहार की अनुभूति करते हैं, जो विधिक एवं नीतिगत हस्तक्षेप की आवश्यकता को रेखांकित करता है।

फाइनल राउंड में चार चयनित टीमों ने प्रस्तुति दी। कार्यक्रम की गरिमा बढ़ाने हेतु मुख्य अतिथि के रूप में माननीय श्री न्यायमूर्ति (सेवानिवृत्त) सुरेन्द्र सिंह, विशिष्ट अतिथि के रूप में श्री चौधरी जितेन्द्र नाथ सिंह तथा माननीय अतिथि के रूप में डॉ. आदेश कुमार उपस्थित रहे।

कार्यक्रम का संचालन प्राचार्य प्रो. अजय प्रकाश खरे के मार्गदर्शन में हुआ तथा यह अध्यक्ष डॉ. राघवेंद्र नाथ सिंह की दूरदृष्टि और प्रेरणा का परिणाम रहा। धन्यवाद ज्ञापन बी.ए.एल.एल.बी. (ऑनर्स) की संयोजक श्रीमती रेनू सिंह द्वारा प्रस्तुत किया गया।

प्रतियोगिता का मूल्यांकन प्रतिष्ठित निर्णायकों की समिति

कृ डॉ. ऋतम्भरा मालवीय, डॉ. विजयलक्ष्मी सक्सेना, डॉ. सनू तिवारी तथा डॉ. विजयलक्ष्मी सिंह कृ द्वारा किया गया। प्रतिभागियों के विचार, विश्लेषण और अभिव्यक्ति की गहराई को परखा गया। प्रतियोगिता का संचालन कुशलता एवं गरिमा के साथ सुश्री अनुश्री पांडे और सुश्री निवेदिता कौंडिन्य ने किया।

परिणाम इस प्रकार रहे :

- ☐ प्रथम स्थानरू इल्लमा उस्मानी दृ नार्सी मोनजी इंस्टिट्यूट ऑफ मैनेजमेंट, मुंबई
- ☐ द्वितीय स्थानरू आराधना पटेल एवं अपर्णा आकांक्षा दृ आई.एस.डी.सी., प्रयागराज
- ☐ तृतीय स्थानरू नमन पांडे एवं आस्था दृ सी. एम. पी. डिग्री कॉलेज, प्रयागराज
- ☐ चतुर्थ स्थानरू तनय चौधरी दृ सी. एम. पी. डिग्री कॉलेज, प्रयागराज

यह प्रतियोगिता युवा मस्तिष्कों के लिए एक सशक्त मंच सिद्ध हुई, जिसने उन्हें भारत के वरिष्ठ नागरिकों से जुड़े विधिक, नैतिक एवं नीतिगत प्रश्नों पर गंभीरता से सोचने–समझने का अवसर प्रदान किया कृ ताकि जीवन के "स्वर्णिम वर्षों" में न्याय और गरिमा के आदर्श को सशक्त बनाया जा सके।

निवारक न्यायशास्त्र, मध्यस्थता एवं सुलहविधि पर राष्ट्रीय संगोष्ठी का आयोजन

प्रयागराज। केन्द्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय, गंगानाथ झा परिसर एवं शिक्षा संस्कृति उत्थान न्यास प्रयागराज के संयुक्त तत्त्वावधान में "भारतीय ज्ञान परम्परा–निवारक न्यायशास्त्र, मध्यस्थता एवं सुलहविधि" पर राष्ट्रीय संगोष्ठी का आयोजन शिक्षा संस्कृति उत्थान न्यास के संस्थापक स्व. दीनानाथ बत्रा की पुण्यतिथि पर आयोजित की गई। संगोष्ठी के मुख्य वक्ता अपर महाधिवक्ता, उत्तर प्रदेश शासन, श्री अशोक मेहता ने अपने उद्बोधन में शिक्षा संस्कृति उत्थान न्यास के संस्थापक स्व. दीनानाथ बत्रा का स्मरण करते हुये संगठन के प्रति उनके योगदान का स्मरण कराया। न्यायशास्त्र के

व्यावहारिक एवं सैद्धान्तिक पक्ष के सन्दर्भ में विस्तृत एवं तुलनात्मक विवरण प्रस्तुत करते हुए उन्होंने भारतीय न्याय प्रक्रिया को सामाजिक सामंजस्य बनाये रखने वाली प्रक्रिया बताया। संगोष्ठी में विशिष्ट वक्ता के रूप में शास्त्रपाठशाला, चेन्नई के अधिवक्ता एवं संरक्षक श्री कृष्णन् वेंकटरामन् ने न्यायशास्त्र की गूढ़ता से समस्त उपस्थितजनों का परिचिय कराया। कार्यक्रम के अन्य विशिष्ट अतिथि शिक्षा संस्कृति उत्थान न्यास, तकनीकी सेवा के राष्ट्रीय संयोजक प्रो. रवि तिवारी ने शिक्षा संस्कृति उत्थान न्यास के उद्देश्यों से परिचित कराते हुए न्यास द्वारा किये जा रहे विभिन्न कार्यों का उल्लेख किया। कार्यक्रम की अध्यक्षता कर रहे परिसर के निदेशक प्रो. ललित कुमार त्रिपाठी ने भारतीय ज्ञान परम्परा के सन्दर्भ में न्यायशास्त्र की समावेशी प्रवृत्ति का विवरण प्रस्तुत किया। उपस्थित गणमान्यों का स्वागत परिसर के सह निदेशक प्रो. देवदत्त सरोदे । कार्यक्रम का संयोजन प्रो. देवदत्त सरोदे ने किया। कार्यक्रम का संचालन डॉ. यशवन्त कुमार त्रिवेदी, सहायकाचार्य ने किया। इस अवसर पर बड़ी संख्या में इलाहाबाद उच्च न्यायालय के अधिवक्तागण, शिक्षा संस्कृति उत्थान न्यास के पदाधिकारियों समेत प्रो. रामकृष्ण परमहंस, प्रो. मनोज कुमार मिश्र, श्री संजय कुमार मिश्र, श्री राजेशकान्त तिवारी सहित परिसरीय अन्य अधिकारी, कर्मचारीगण एवं छात्र–छात्राएँ उपस्थित रहे।

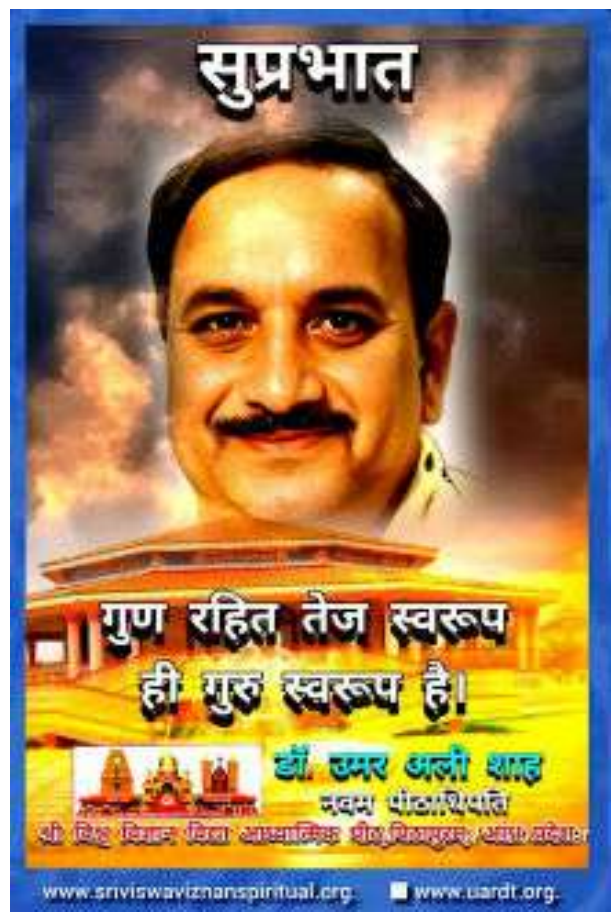

गेंदा

पैदाइश जिसकी हुई, भारत से अति दूर।
'गेंदा' के ही नाम से, फूल वही मशहूर।
फूल वही मशहूर, दिखे आधी दुनिया में।
राजा हो या रंक, रहे सबकी कुटिया में।
सुन लो कहें प्रदीप, न इसमें है गुंजाइश।
सबका है यह मीत, कुदरती है पैदाइश।।

परदेशी, देशी हुआ,रख गेंदा शुभ नाम।
मंदिर से श्मशान तक, करे पुण्य का काम।
करे पुण्य का काम, खिले जब खुशबू भरके।
प्यारा राजकुमार,सभी का साथी बनके।
सुन लो कहें प्रदीप,गजब का है उपदेशी।
सबसे दुआ सलाम,न लगता यह परदेसी।।

डॉ. प्रदीप चित्रांशी
लूकरगंज, प्रयागराज

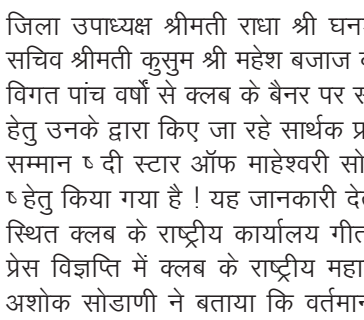

राष्ट्रीय स्तर पर दी स्टार अश्वफ माहेश्वरी सोसायटी सम्मान - 2025 हेतु गोलाघाट आसाम के बिनानी , काबरा व बजाज दम्पत्ति का चयन

तिनसुकिया गोलाघाट। अन्तर्राष्ट्रीय माहेश्वरी कपल क्लब भारत द्वारा पूरे देश में माहेश्वरी समाज के 251 कपल्स को राष्ट्रीय स्तर पर ष्दी स्टार ऑफ माहेश्वरी सोसायटी सम्मान – 2025 भेंट किये जा रहे हैं ! इसी क्रम में अन्तर्राष्ट्रीय माहेश्वरी कपल क्लब भारत के जिला गोलाघाट आसाम प्रदेश जिलाध्यक्ष श्रीमती रंजना श्री पवन बिनानी, जिला सचिव श्रीमती बिमला श्री पवन काबरा, जिला उपाध्यक्ष श्रीमती राधा श्री घनश्याम बिनानी, जिला सह सचिव श्रीमती कुसुम श्री महेश बजाज का चयन इन सभी के द्वारा विगत पांच वर्षों से क्लब के बैनर पर समाज सेवा एवं मानव सेवा हेतु उनके द्वारा किए जा रहे सार्थक प्रयासों हेतु राष्ट्रीय स्तर के सम्मान ष्दी स्टार ऑफ माहेश्वरी सोसायटी सम्मान – 2025ष हेतु किया गया है ! यह जानकारी देते हुए भीलवाड़ा राजस्थान स्थित क्लब के राष्ट्रीय कार्यालय गीता भवन सभागार से जारी प्रेस विज्ञप्ति में क्लब के राष्ट्रीय महासचिव श्रीमती अनिता डॉ अशोक सोडाणी ने बताया कि वर्तमान में क्लब की पूरे देश में फैली हुई 132 जिला शाखाओं के जिलाध्यक्ष व सचिव सहित परमार्थ हितार्थ कार्य करने वाले विभिन्न सदस्य कपल्स में से 251 कपल्स को नवम्बर माह में चयनित किया जाकर उन्हें दिसम्बर माह में समारोह पूर्वक अपने अपने जिलों में इस सम्मान को भेंट कर सम्मानित किया जाएगा।

मोक्ष दायानी है श्रीमद् भागवत महापुराण कथा : आचार्य हरिकान्त

करछना। श्रीमद् भागवत महापुराण कथा पाप नाशिनी और मोक्षदायिनी है। इस कथा के श्रवण से मनुष्य में जीवन के प्रति त्याग, तप,योग,सदाचार,भक्ति,चरित्र,चिंतन की जागृति होती है और मन के सारे विकार दूर हो जाते हैं । यह बातें क्षेत्र के कचरी गांव में चल रही संगीतमय श्रीमद्भागवत महापुराण कथा सप्ताह के तीसरे दिन व्यास पीठ पर विराजमान कथा वाचक आचार्य हरिकान्त मिश्र ने कही। उन्होंने ध्रुव उपाख्यान और जड़ भरत प्रसंग का मार्मिक वर्णन करते हुए श्रोता भक्त जनों को भाव विभोर कर दिया। इसके पूर्व परीक्षित जन्म और वाराहअवतार की कथा सुनाते हुए उन्होंने काम,क्रोध,लोभ मोह और मद पूर्ण जीवन से निवृत्ति पाने के लिए भागवत कथा के श्रवण पर जोर दिया। गोकर्ण और धुंधकारी की कथा कहते हुए आचार्य जी ने कहा कि मृत्यु के बाद दुष्ट प्रकृति के धुंधकारी की भटकती आत्मा को आखिरकार गोकर्ण द्वारा मोक्ष की प्राप्ति का मार्ग प्रशस्त हुआ। संगीतमय कथा के दौरान मुक्ति मार्ग प्रशस्त करने वाले कई भजनों से भी उन्होंने श्रोताओं कोआह्लादित किया। इसके पूर्व कथा श्रवण कर रही त्रिवेणी देवी ने महापुराण और आचार्य की आरती की। संयोजक कृष्णराज सिंह ने कथा श्रवण करने आए सभी श्रोता भक्तजनों के प्रति स्वागत आभार प्रकट किया। इस मौके पर रामकुमार सिंह,वंशराज,बृजराज,रामबली,कृष्णबली सिंह,युवराज,पद्मराज सिंह,लक्ष्यराज पृथ्वीराज,डॉ.योगेश सिंह,विमलेश्वर दास धीरज, पृथ्वीराज सिंह,अभिषेक सहित बड़ी संख्या में महिलाएं और बच्चे मौजूद रहे।

सम्पादकीय.....

बिना छात्र स्कूल

निस्संदेह, शिक्षा मंत्रालय की वह रिपोर्ट परेशान करने वाली है, जिसमें बताया गया है कि बीते शिक्षा सत्र में देश के आठ हजार सरकारी स्कूलों में किसी बच्चे ने दाखिला नहीं लिया। लेकिन विडंबना यह है कि इन स्कूलों में बीस हजार शिक्षक तैनात हैं। वहीं देश में हजारों स्कूल ऐसे हैं, जहां सिर्फ एक शिक्षक के भरोसे सभी कक्षाएं चल रही हैं। वैसे केंद्रीय शिक्षा मंत्रालय द्वारा निर्धारित मानकों के अनुसार तीस विद्यार्थियों पर एक शिक्षक अनिवार्य रूप से होना चाहिए, लेकिन इसकी अनदेखी करके हर जगह विसंगतियां नजर आती हैं। यही वजह है कि शैक्षणिक सत्र 2024–25 में आठ हजार स्कूलों में एक भी छात्र ने दाखिला नहीं लिया। यहां यह तथ्य उल्लेखनीय है कि बिना दाखिले वाले स्कूलों की सर्वाधिक संख्या पश्चिम बंगाल में है। यह संख्या 3,812 है, जो बेहद चौंकाने वाली बात है। स्थिति का दूसरा परेशान करने वाला तथ्य यह है कि इसी राज्य के बिना दाखिले वाले स्कूलों में बाकायदा करीब अठारह हजार शिक्षक तैनात हैं। कमोबेश तेलंगाना की स्थिति भी चिंताजनक है, जहां 2,245 स्कूल जीरो एडमिशन वाले हैं तथा एक हजार से ज्यादा शिक्षक यहां तैनात हैं। वहीं भाजपा शासित राज्य मध्य प्रदेश, जिसका स्थान इस सूची में तीसरा है, वहां 463 स्कूलों में एक भी छात्र ने दाखिला नहीं लिया। बाकायदा 223 शिक्षक इन जीरो एडमिशन वाले स्कूलों में तैनात हैं। वैसे चौंकाने वाली बात यह है कि शैक्षणिक सत्र 2023–24 में इस बार के मुकाबले पांच हजार स्कूल अधिक ऐसे थे, जहां कोई विद्यार्थी दाखिल नहीं हुआ था। एक विसंगति यह भी है कि स्कूली शिक्षा राज्य सरकारों के अधीन होती है, अतरू केंद्र सरकार का दखल इसमें नहीं होता। लेकिन राज्य सरकार व शिक्षा विभाग की नीतियों पर सवाल तो उठता ही है। इसके बावजूद केंद्रीय शिक्षा विभाग को निर्देश दिए गए हैं कि वे शून्य दाखिले की परंपरा रोकने के लिये यथासंभव प्रयास करते रहें। बहरहाल, यहां एक सवाल यह भी है कि बिना दाखिले वाले स्कूलों के शिक्षक छात्रों को स्कूल में लाने के व्यक्तिगत प्रयास क्यों नहीं करते? वैसे कुछ राज्यों के शिक्षा विभाग ने इस दिशा में कुछ कदम भी उठाए हैं। जहां शिक्षा विभाग ने स्कूलों में छात्रों की कम संख्या को देखते हुए उनका समायोजन अधिक छात्र संख्या वाले स्कूलों में करके संतुलन साधने का प्रयास किया है। यहां हरियाणा, हिमाचल प्रदेश व केंद्रशासित प्रदेश चंडीगढ़ आदि के शिक्षा विभाग की सराहना करनी होगी, जहां एक भी स्कूल जीरो एडमिशन वाला नहीं था। दूसरी ओर उत्तर प्रदेश के शिक्षा विभाग ने राज्य भर के जीरो एडमिशन वाले 81 स्कूलों की मान्यता रद्द करने की प्रक्रिया आरंभ की। इसका मानक यह होगा कि जहां पिछले लगातार तीन शैक्षणिक वर्षों में कोई छात्र दाखिल न हुआ हो। एक परेशान करने वाला आंकड़ा यह भी है कि देश के एक लाख स्कूलों में केवल एक ही शिक्षक सभी कक्षाओं के छात्रों को पढ़ा रहा है, जिसमें करीब तैंतीस लाख छात्र अध्ययनरत हैं। जाहिर है वे छात्र क्या पढ़ रहे होंगे और उनका भविष्य क्या होने जा रहा है। यहां विचारणीय प्रश्न यह भी है कि छात्रों का सरकारी स्कूलों से मोहभंग क्यों हो रहा है? यह समाज विज्ञानियों के लिए अध्ययन का विषय होना चाहिए कि कम फीस व पर्याप्त शिक्षक व शिक्षण व्यवस्था के बावजूद छात्र इन स्कूलों में क्यों पढ़ना नहीं चाहते? यह विडंबना ही है कि जिन संस्थानों में नौकरी सुरक्षित और सुविधाएं पर्याप्त होती हैं, वहां कर्मचारी अपना बेहतर प्रदर्शन करते नजर नहीं आते। जबकि निजी स्कूलों में कम वेतन और कम सुविधाओं के बावजूद कर्मचारी जमकर मेहनत करते हैं। वहां शिक्षकों का खूब दोहन होता है लेकिन कक्षाएं छात्र–छात्राओं से भरी होती हैं। विडंबना यह भी कि अभिभावक ज्यादा फीस देकर भी संतुष्ट नजर आते हैं। अक्सर कहा जाता है कि जिस दिन सरकारी कर्मचारियों, अधिकारियों व नेताओं के बच्चे सरकारी स्कूलों में पढ़ने लगेंगे, उस दिन सरकारी स्कूलों की दशा–दिशा सुधर जाएगी। फिलहाल देश में लाखों स्कूलों की स्थिति असंतोषजनक है और इस दिशा में गंभीर प्रयास की मांग की जाती है।

वोट चोरी के सबूतों का हाइड्रोजन बम

डॉ. दीपक पाचपोर

बिहार चुनाव शुरु होने से पहले ही इसे रोकने की याचिकाएं दर्ज करा दी गई थीं, इन पर कई बार अदालत बैठ चुकी है, लेकिन पहले चरण की वोटिंग से पहले भी कोई नतीजा सामने नहीं आया है।

बिहार में वोटर अधिकार यात्रा निकालने के बाद 1 सितम्बर को कांग्रेस सांसद राहुल गांधी ने ऐलान कर दिया था कि वे अब हाइड्रोजन बम फोड़ेंगे। तब भाजपा ने उनका आदतन या रणनीति के तहत मजाक उड़ाया था कि राहुल कांग्रेस को चुनाव नहीं जिता सकते तो वोट चोरी का बहाना बनाते हैं। भाजपा ने हाइड्रोजन बम को सीधे अहिंसा से भी जोड़ा था, मानो गांधीजी के विचारों पर भाजपा से बेहतर कोई और नहीं चलता। भाजपा राहुल गांधी को हतोत्साहित करने की पूरी कोशिश करती रही और सितम्बर के बाद अक्टूबर भी बीत गया तो पार्टी काफी हद तक निश्चिंत हो गई थी कि अब राहुल का हाइड्रोजन बम नहीं फूटने वाला। लेकिन भाजपा को शायद यह अनुमान नहीं था कि बिहार विधानसभा चुनावों में पहले दौर के मतदान से ठीक एक दिन पहले फिर नए सबूतों के साथ देश को बताएंगे कि कैसे चुनाव आयोग ने भाजपा के साथ मिलकर लाखों वोटों की हेरा–फेरी की है।5 नवंबर बुधवार की सुबह खबर आई कि 12 बजे राहुल गांधी कांग्रेस मुख्यालय में प्रेस कांफ्रेंस करने वाले हैं, इसी के साथ तस्वीरें आईं जिनमें सामान ढोने वाली ट्रॉली में कागजात के ऊंचे–ऊंचे बंडल लाए जा रहे थे। तभी समझ आ गया था कि राहुल गांधी ने जिस हाइड्रोजन बम की चेतावनी सितम्बर में दी थी, अब उसका धमाका होने वाला है। और वाकई ऐसा धमाका हुआ है कि चुनाव आयोग और भाजपा पूरी तरह हिल चुके हैं। राहुल की प्रेस कांफ्रेंस के फौरन बाद ही मोदी सरकार में मंत्री किरण रिजीजू ने प्रेस कांफ्रेंस की और कहा कि बिहार में कांग्रेस का कुछ होने वाला नहीं है, इसलिए हरियाणा का जिक्र कर ध्यान भटकाया जा रहा है। वहीं हरियाणा के मुख्य चुनाव आयुक्त ने बुधवार को राहुल की प्रेस कांफ्रेंस के फौरन बाद चुनाव के विभिन्न चरणों की पारदर्शिता और क्रियान्वयन के बारे में लंबी–चौड़ी सफाई सोशल मीडिया पर पोस्ट की। इससे पता चलता है कि अपने ऊपर लगे आरोपों को खारिज करने की तैयारी पहले ही राज्य चुनाव आयोग ने कर ली थी। हालांकि राहुल गांधी ने बड़े आरोप मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार पर लगे हैं। उनकी तरफ से इन पंक्तियों के लिखे जाने तक कोई जवाब नहीं आया है।ज्ञात हो कि हरियाणा चुनाव में मुख्यमंत्री नायाब सिंह सैनी ने कहा था कि हमारी जीत तय है और सारी व्यवस्था हो गई है। इस व्यवस्था शब्द को पकड़ कर राहुल गांधी ने बताया कि भाजपा की चुनावी रणनीति में इसका असली मतलब क्या है। किस तरह चुनाव आयोग को जरिया बनाकर भाजपा धांधली करवा रही है। लेकिन किरण रिजीजू का कहना है कि व्यवस्था का मतलब हमारे समर्पित कार्यकर्ताओं की पूरी तैयारी है, जो चुनाव जिताने में मेहनत करते हैं। हालांकि इस वार–पलटवार से उन सवालों के जवाब नहीं मिल रहे, जो राहुल गांधी ने उठाए हैं। जैसे मतदाता सूची में राहुल गांधी ने एक ब्राजीलियन मॉडल का चेहरा दिखाया, जिसका नाम 22 जगहों पर मतदाता के तौर पर दर्ज था। एक प्रेस कांफ्रेंस में मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार ने कहा था कि मकान नंबर शून्य उन्हें दिया जाता है, जो दुर्भाग्यशाली लोग बेघर होते हैं। जो लैंपपोस्ट के नीचे या फुटपाथ पर रहते हैं। लेकिन हरियाणा की मतदाता सूची में मकान नंबर शून्य वाले कई मतदाताओं के पास बड़े घर का मालिकाना हक राहुल गांधी ने दिखा दिया। राहुल गांधी ने बताया कि कुछ भाजपा नेता और उनके रिश्तेदार जो उत्तरप्रदेश में वोट डालते हैं, उनका नाम भी हरियाणा की वोटर लिस्ट में था। कई वोटर आईडी में फोटो एकदम धुंधली है और उस धुंधले चेहरे को कई बूथों पर वोटर के तौर पर राहुल गांधी ने दिखा दिया। ऐसी गलतियां दो–चार होती तब भी इन पर संदेह नहीं होता। हालांकि कम्प्यूटर और एआई की मदद से जब वोटर लिस्ट बनाई जा रही हो, तब ऐसी गलतियां शून्य होना चाहिए। लेकिन हरियाणा में दस–बीस नहीं कम से कम 25 लाख मतदाताओं की चोरी की गई है। राहुल गांधी की प्रेस कांफ्रेंस में कुछ लोगों की आपबीती भी सुनाई गई, जिनके नाम लोकसभा चुनावों के वक्त दर्ज थे और जिन्होंने वोट भी दिए थे। लेकिन विधानसभा में उनके नाम काट दिए गए। संविधान के तहत वयस्क मताधिकार का जो अनूठा उपहार भारतीय नागरिकों को मिला है, वह बेशकीमती है। लेकिन दुख की बात है कि भाजपा के शासन में इस अनमोल तोहफे को चालाकी से छीना जा रहा है। इसलिए बुधवार को राहुल गांधी को सीधा आह्वान करना पड़ा कि जेन जी यानी नयी पीढ़ी के लोग अहिंसक तरीके से इस चोरी को रोकने और लोकतंत्र को बचाने के लिए आगे आएं। खुद राहुल गांधी ने भी नागरिक होने के नाते अपनी जिम्मेदारी बताई है। वहीं सुप्रीम कोर्ट और मीडिया के पाले में भी राहुल ने गेंद डाल दी है कि ये खुद से इस वोट चोरी को रोकने के लिए आगे आते हैं या नहीं। गौरतलब है कि इस समय एसआईआर का मामला सुप्रीम कोर्ट में चल ही रहा है। बिहार चुनाव शुरु होने से पहले ही इसे रोकने की याचिकाएं दर्ज करा दी गई थीं, इन पर कई बार अदालत बैठ चुकी है, लेकिन पहले चरण की वोटिंग से पहले भी कोई नतीजा सामने नहीं आया है। उधर देश भर में अब एसआईआर की कवायद शुरु हो गई है। जबकि तमिलनाडु, प.बंगाल और महाराष्ट्र में इसका विरोध हो रहा है।ज्ञानेश कुमार मतदाता सूची शुद्धिकरण की बात करते हैं। लेकिन अब उन्हें बताना चाहिए कि 2 करोड़ मतदाताओं वाले हरियाणा में 25 लाख फर्जी मतदाताओं के सबूत राहुल गांधी दे चुके हैं और ये संख्या बढ़ सकती है, ऐसे में उनका क्या जवाब है। क्या हर बार की तरह राहुल गांधी के इस दावे पर भी फेक का ठप्पा चुनाव आयोग लगा देगा।

हरियाणा में कांग्रेस क्या वाकई 'वोट चोरी' के चलते हारी? हमने जो ग्राउण्ड पर देखा वो चौंकाने वाला था

नीरज कुमार दुबे

कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने हरियाणा विधानसभा चुनावों में भाजपा की जीत को वोटों की चोरी और हेरफेर का परिणाम बताया है। राहुल गांधी ने एक तरह से सवाल उठाते हुए कहा है कि कांग्रेस की स्पष्ट चुनावी जीत की संभावना के बीच भाजपा आखिर कैसे स्पष्ट बहुमत हासिल कर सकती है? राहुल गांधी ने भारतीय निर्वाचन आयोग और भाजपा पर जो सवाल उठाये हैं उससे पहले उन्हें इस बात का जवाब देना चाहिए कि आखिर क्यों कांग्रेस को हरियाणा विधानसभा में विपक्ष का नेता नियुक्त करने में एक साल का समय लग गया? आखिर क्यों कांग्रेस हरियाणा में हुड्डा परिवार से बाहर के किसी नेता को नेतृत्व नहीं सौंप पाती? राहुल गांधी को समझना होगा कि समस्या मतदाता सूची में नहीं बल्कि उसके राज्य नेतृत्व में है। राहुल गांधी को हरियाणा में भाजपा की जीत के कारणों पर ध्यान देने की बजाय इस बात पर आत्ममंथन करना चाहिए कि कांग्रेस की करारी पराजय के कारण क्या रहे? सवाल उठता है कि हरियाणा की जिस जनता ने विधानसभा चुनावों से कुछ माह पहले लोकसभा चुनावों के दौरान कांग्रेस को अच्छा जन समर्थन दिया था उसने विधानसभा चुनावों में पार्टी से क्यों मुँह मोड़ लिया? प्रभासाक्षी की टीम ने हरियाणा विधानसभा चुनावों में पूरे राज्य में घूम घूमकर प्रचार को कवर किया था। सबसे पहली बात जो धरातल पर नजर आ रही थी वह यह थी कि कांग्रेस की हवा सिर्फ मीडिया में है जमीन पर नहीं। दूसरी बात यह थी कि हुड्डा गुट ने जिस तरह पूरी कांग्रेस पर कब्जा किया हुआ था उससे पार्टी के अन्य गुट बेहद नाराज थे। खासकर टिकटों के बंटवारे, चुनाव प्रचार में भूमिका आदि के मामले में जिस तरह कुमारी शैलजा के साथ कांग्रेस नेतृत्व ने भेदभाव किया था उसके चलते गुस्सा सिर्फ कांग्रेस कार्यकर्ताओं के मन में ही नहीं बल्कि समाज के भीतर भी दिख रहा था। खुद कुमारी शैलजा जिस तरह चुनावों के बीच नाराज चल रही थीं उससे हुड्डा गुट के प्रति गुस्सा उभर रहा था। कई सीटों पर मैंने देखा कि कांग्रेस के उम्मीदवार अपने प्रतिद्वंद्वी के खिलाफ सिर्फ चुनाव नहीं लड़ रहे थे बल्कि वह पार्टी के भीतर मौजूद दूसरे गुटों से भिड़ने में ज्यादा समय लगा रहे थे। उनके चुनाव कार्यालय में बैठे लोग अपने प्रतिद्वंद्वी से ज्यादा पार्टी के ही नेताओं के खिलाफ बयानबाजी करने में मशगूल रहते थे। इसके अलावा, कांग्रेस ने कई ऐसे प्रत्याशियों को मैदान में उतारा था जोकि अपने पैसे के बलबूते ही जीत की उम्मीद कर रहे थे। मैंने देखा कि ऐसे दो कांग्रेस उम्मीदवारों का सारा जोर सिर्फ फिल्मी सितारों से प्रचार करवाने में है। एक दो सभा के बाद वह अपनी आरामगाह में चले जाते थे और फिर शाम को ही प्रचार के लिए निकलते थे। प्रचार के लिए निकलने से पहले मुद्दों को समझने की बजाय उनका ज्यादा जोर श्अच्छा दिखनेश पर रहता था। एक कांग्रेस उम्मीदवार तो ऐसे भी दिखे जोकि दिन में ही इतना नशा कर लेते थे कि प्रचार करने की हालत में नहीं रहते थे, ऐसे में प्रचार की कमान उनके बेटे ने संभाल रखी थी। एक कांग्रेस उम्मीदवार का सारा जोर सिर्फ इसी बात पर था कि मतदाताओं को कैसे श्खुशश किया जाये। हालांकि बातचीत में वह यह तक नहीं बता पा रहे थे कि उनके क्षेत्र की समस्याएं क्या हैं और उनकी पार्टी ने जो घोषणापत्र जारी किया है उसमें क्या वादे किये गये हैं। कई विधानसभा क्षेत्रों में कांग्रेस उम्मीदवारों की सभाओं में बच्चों की अच्छी खासी संख्या दिखती थी। पूछने पर बच्चे बताते थे कि उनके परिजन तो भाजपा को वोट देंगे। यही नहीं, एक कांग्रेस उम्मीदवार की रैली में उम्मीदवार का जोरदार अंदाज में स्वागत करने वाली गांव की सरदारी ने भी मुझसे बातचीत में कहा कि गांव तो भाजपा को वोट देगा लेकिन सबका सम्मान करना हमारी परम्परा और संस्कृति है इसलिए किसी को निराश नहीं करते। इसके अलावा, हरियाणा में एक कांग्रेस उम्मीदवार ने पार्टी की सरकार बनने पर सरकारी नौकरियों के आवंटन को लेकर विवादित बयान दे डाला था जिससे कांग्रेस बैकफुट पर आ गयी थी। साथ ही एक बात पूरे हरियाणा में देखने को मिल रही थी कि हुड्डा पिता–पुत्र की रैलियों या रोड शो में आये कार्यकर्ता जिस तरह का हुड़दंग कर रहे थे उसके चलते लोगों के मन में खासतौर पर पिछड़ी जातियों के मन में खौफ पैदा हो रहा था। इस सबके अलावा, कांग्रेस हरियाणा में उसी अति–आत्मविश्वास की शिकार हुई जिसने 2024 के लोकसभा चुनाव में भाजपा को बड़ा नुकसान पहुँचाया था। वहीं हरियाणा विधानसभा चुनावों में भाजपा की जीत के कारणों को देखें तो सबसे बड़ा और अहम कारण यह रहा कि आरएसएस और भाजपा के बीच समन्वय बहुत बेहतर था। पूरे हरियाणा में कोई ऐसा विधानसभा क्षेत्र नहीं था जहां भाजपा के प्रवासी कार्यकर्ताओं की टोली चुनाव प्रबंधन से जुड़े कार्य नहीं संभाल रही हो। भाजपा उम्मीदवारों के चुनाव कार्यालय में पार्टी कार्यकर्ता सिर्फ इसी बात में मशगूल दिखते थे कि मतदाता पर्चियां मतदाताओं तक और बस्ते बूथ एजेंटों तक समय से पहुँच जायें। इसके अलावा, हरियाणा में लगभग सवा नौ साल तक मुख्यमंत्री रहे मनोहर लाल खट्टर के खिलाफ उपजी नाराजगी को भांप कर भाजपा नेतृत्व ने भले उन्हें मुख्यमंत्री पद से हटा कर दिल्ली की राजनीति में स्थापित कर दिया था लेकिन खट्टर का मन हरियाणा में ही लगा देख कर ऐन चुनावों के समय एक और बड़ा निर्णय लेते हुए पूरे चुनाव प्रचार अभियान से खट्टर का नाम और उनकी तस्वीर गायब कर दी गयी। हमने पाया कि भाजपा की हर चुनावी रैली अथवा जनसभाओं के दौरान मंच पर या उसके आसपास लगने वाले पोस्टरों, बैनरों और होर्डिंगों में खट्टर का नाम और तस्वीर नहीं थी। यही नहीं हरियाणा सरकार की जिन उपलब्धियों के सहारे भाजपा ने चुनाव लड़ा उसमें भी खट्टर की तस्वीर नहीं लगायी गयी। भाजपा ने साधारण लोगों की तस्वीरों का इस्तेमाल चुनाव प्रचार सामग्री में किया। जैसे युवाओं की तस्वीरों के साथ लिखा गया कि बिना खर्ची पर्ची नौकरी दी गयी। किसानों की तस्वीरों के साथ लिखा गया कि 24 फसलों का एमएसपी दे रही हरियाणा सरकार, महिलाओं की तस्वीरों के साथ लिखा गया कि तमाम योजनाओं का लाभ दे रही भाजपा सरकार। इसी प्रकार अन्य उपलब्धियों का बखान करते हुए भी प्रचार सामग्री तैयार करवायी गयी जिसमें आम लोगों की तस्वीरें प्रकाशित की गयी थी। इसके अलावा, हरियाणा में कांग्रेस सिर्फ हवा में है जमीन पर नहीं, इस बात का पता जैसे ही भाजपा के शीर्ष नेतृत्व को चला वैसे ही उसने प्रचार के अंतिम 10 दिनों में अपनी पूरी ताकत झोंक दी थी। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की चार जनसभाएं कराई गयीं और भाजपा अध्यक्ष जेपी नड्डा, गृह मंत्री अमित शाह, रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह व उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ समेत तमाम मुख्यमंत्रियों को चुनाव प्रचार में उतार दिया गया। पूरे चुनाव प्रचार के दौरान कांग्रेस ने 70 से ज्यादा रैलियां और जनसभाएं कीं। जवाब में भाजपा ने 150 सभाएं और रैलियां कर माहौल को पूरी तरह बदल दिया। इसके अलावा, हरियाणा में कांग्रेस ने जमीन तक इस बात को पहुँचाने में सफलता हासिल कर ली थी कि श्कांग्रेस आ रही है, भाजपा जा रही हैश। भाजपा ने इस हवा की चाल को धीमा करने के लिए परिवारवाद को मुद्दा बनाया और भूपिंदर सिंह हुड्डा के पिछले शासन की याद दिलाई जिससे माहौल बदलने लगा।

साहित्य सत्य की साधना और संस्कृति का पर्याय

संजीव ठाकुर

भारतीय अर्वाचीन संस्कृति का दार्शनिक चिंतन सदैव इस बात पर केंद्रित रहा है कि मनुष्य केवल शरीर नहीं, बल्कि चेतना का संवाहक है। यह चेतना जब अभिव्यक्ति के किसी व्यक्त रूप में प्रवाहित होती है, तो वही अभिव्यक्ति का परिवर्जित रूप साहित्य कहलाती है। साहित्य कोई स्थिर संस्था नहीं, बल्कि वह एक जीवंत अनुभूति जो समय, समाज और संवेदना के साथ निरंतर विकसित होती रहती है। यह सत्य की साधना है, शिवत्व की कामना है और सौंदर्य की अभिव्यंजना भी। जब मनुष्य अपनी आत्मा के स्पंदन को शब्दों में ढालता है, तब वह न केवल अपने युग का साक्ष्य लिखता है, बल्कि युगों–युगों तक मानवता के हृदय को आलोकित करता है।शुद्ध, जीवंत और उत्कृष्ट साहित्य समाज की संवेदना का आधारस्तंभ होता है। यह मानव के भीतर छिपी उस सहज वृत्ति को जाग्रत करता है जो करुणा, प्रेम, समरसता और नैतिकता से पोषित होती है। साहित्य की यही शाश्वतता उसे कालजयी बनाती है। इसीलिए कालिदास, सूरदास, कबीर, प्रेमचंद या शेक्सपियर जैसे रचनाकार आज भी हमारे समय में उतने ही जीवंत प्रतीत होते हैं, जितने अपने समय में थे। उनकी कृतियाँ केवल शब्दों का सौंदर्य नहीं, बल्कि मनुष्य की आत्मा का दस्तावेज हैं। वे हमें याद दिलाती हैं कि मनुष्य की पीड़ा, आशा, संघर्ष और संवेदना युगों के अंतराल में भी नहीं बदलती केवल उसका रूप बदलता है। राजनीतिक और भौगोलिक विभाजनों के बावजूद साहित्य मनुष्य को एक ही धरातल पर लाता है। क्योंकि शब्द का संसार सीमाओं से परे है। यह कहना अतिशयोक्ति नहीं कि ष्भाषाएँ भिन्न हो सकती हैं, पर भाव एक ही रहते हैंष्। किसी भी देश की भाषा और साहित्य उस देश की सभ्यता, संस्कृति और मानसिक प्रगति का सूचक होते हैं। साहित्य के अध्ययन से उस समाज की आत्मा को समझा जा सकता है। उसके उल्लास, उसके संघर्ष, उसके स्वप्न और उसकी पीड़ाओं को भी। मुंशी प्रेमचंद ने साहित्य को "जीवन की आलोचना" कहा था। यह परिभाषा आज के संदर्भ में और भी प्रासंगिक लगती है। क्योंकि साहित्य केवल सौंदर्य का उत्सव नहीं, बल्कि समाज के

नैतिक संकटों का दर्पण भी है। यह विसंगतियों को उजागर करता है, अन्याय पर गंभीर प्रश्न उठाता है, और व्यक्ति के अंतस में छिपे विवेक को जगाता है। एक सशक्त लेखक अपने समय की संवेदना का प्रहरी होता है। वह शब्दों के माध्यम से उस मौन को आवाज देता है जो अक्सर व्यवस्था, भय या मोह में दब जाता है। प्राचीन मनीषियों से लेकर आधुनिक लेखकों तक, हर युग का साहित्य मानवता का संपूर्ण चरित्र चित्रण करता है। संस्कृति और साहित्य का संबंध उतना ही गहरा है जितना नदी और जल का। दोनों एक–दूसरे के बिना अपूर्ण हैं। संस्कृति जहाँ मूल्य, परंपरा और आस्था का प्रतिनिधित्व करती है, वहीं साहित्य उन मूल्यों को शब्दों में ढालकर पीढ़ी–दर–पीढ़ी प्रवाहित करता है। यही कारण है कि जब समाज किसी मूल्य संकट से गुजरता है, तो सृजनशील साहित्य ही उसे नई दिशा देता है।वर्तमान युग में जब भौतिकता ने मनुष्य की संवेदना को लगभग ढँक लिया है, जब सूचना का विस्फोट तो है पर अनुभूति का अभाव है, तब साहित्य की भूमिका पहले से कहीं अधिक गंभीर हो गई है। आज का साहित्य केवल विचार का नहीं, बल्कि विवेक का भी माध्यम है। वह तकनीक और संस्कृति के टकराव के बीच मानवीय करुणा की रक्षा करता है। जो साहित्य इस युग में मनुष्य को 'मानव' बने रहने की चेतना देता है, वही वास्तव में श्रेष्ठ है।हिंदी साहित्य की परंपरा विशेष रूप से समन्वय की रही है। कबीर की निर्भीक वाणी, रविंद्रनाथ टैगोर का आध्यात्मिक सौंदर्य, प्रेमचंद का यथार्थवादी दृष्टिकोण, जयशंकर प्रसाद की भावुकता, फणीश्वरनाथ रेणु की ग्राम्य चेतना ये सभी मिलकर हिंदी साहित्य को जनमानस की आत्मा बनाते हैं। इनकी रचनाएँ समय से परे जाकर उस मनुष्य की खोज करती हैं जो भीतर से एक है, भले ही बाहर से विभाजित हो गया हो। यही कारण है कि इनकी कृतियाँ केवल साहित्य नहीं, बल्कि जीवन–दर्शन हैं। साहित्य एक सामाजिक प्रक्रिया भी है। यह अपने समय की आर्थिक, राजनीतिक और वैचारिक परिस्थितियों से प्रभावित होता है, और उन्हें प्रभावित भी करता है। यथार्थवाद और आदर्शवाद का समन्वय ही साहित्य की पूर्णता है। जयशंकर प्रसाद ने कहा था "जीवन की अभिव्यक्ति यथार्थवाद है और अभाव की पूर्ति आदर्शवाद।" यह विचार आज भी उतना ही सार्थक है। क्योंकि समाज को बदलने के लिए केवल यथार्थ की समझ नहीं, बल्कि आदर्श की दृष्टि भी आवश्यक है। आज के संदर्भ में साहित्य की जिम्मेदारी और भी बढ़ गई है। वह न केवल सामाजिक असमानताओं को उजागर करता है, बल्कि उन पर आत्ममंथन भी कराता है। वह हमें यह सिखाता है कि आधुनिकता का अर्थ परंपरा से विमुख होना नहीं, बल्कि उसमें नवीनता का समावेश करना है। भारतीय अर्वाचीन संस्कृति का यह ही सार रहा है कृ "नवीनता में नित्यत्व और नित्यत्व में नवीनता।" यही भाव साहित्य को कालातीत बनाता है।आज जब समाज में संवेदनाओं का ह्रास, विचारों में विभाजन और मानवीय संबंधों में दूरी बढ़ रही है, तब साहित्य ही वह शक्ति है जो हृदय को पुनः हरियाली से भर सकता है। साहित्य हमें याद दिलाता है कि भले ही समय बदल जाए, पर मानवता का मूल स्वर एक ही रहता है करुणा, प्रेम और शांति।साहित्य केवल शब्दों का संग्रह नहीं, बल्कि वह जीवन का सार है। वह समाज का दिशा–दर्शन करता है, जनमानस को आलोकित करता है और समय के अंधेरे में दीपक की तरह टिमटिमाता है। श्रेष्ठ साहित्य वही है जो मनुष्य के भीतर और बाहर दोनों स्तरों पर प्रासंगिक मूल्यों, संदेशों और उद्देश्यों को समेटे हो। निश्चय ही, वह दिन दूर नहीं जब हिंदी साहित्य वैश्विक फलक पर अपनी मानवीय संवेदना और सांस्कृतिक गहराई के कारण और अधिक सम्मानित होगा। क्योंकि अंततः साहित्य वही है जो मानवता को बचाए रखे और यही उसकी सबसे बड़ी साधना है, यही उसका शिवत्व है।

60 करोड़ की धोखाधड़ी मामले में नया मोड़, शिल्पा शेट्टी-राज कुंद्रा के 4 पूर्व कर्मचारियों को समन जारी

> एक्ट्रेस शिल्पा शेट्टी और उनके पति राज कुंद्रा से जुड़े ६० करोड़ रुपये की धोखाधड़ी मामले में आर्थिक अपराध शाखा (ईओडब्ल्यू) ने जांच की रफ्तार तेज कर दी है। इस केस में नया मोड़ तब आया जब एक्ट्रेस की कंपनी में काम करने वाले चार पूर्व कर्मचारियों को पूछताछ के लिए समन भेजा गया है।

एक्ट्रेस शिल्पा शेट्टी और उनके पति राज कुंद्रा से जुड़े 60 करोड़ रुपये की धोखाधड़ी मामले में आर्थिक अपराध शाखा (ईओडब्ल्यू) ने जांच की रफ्तार तेज कर दी है। इस केस में नया मोड़ तब आया जब एक्ट्रेस की कंपनी में काम करने वाले चार पूर्व कर्मचारियों को पूछताछ के लिए समन भेजा गया है। इनमें से एक कर्मचारी का बयान दर्ज किया जा चुका है, जबकि बाकी तीन से जल्द ही पूछताछ की जाएगी।

ईओडब्ल्यू ने भेजे समन

मुंबई पुलिस की आर्थिक अपराध शाखा ने बेस्ट डील प्राइवेट लिमिटेड के चार पूर्व कर्मचारियों को नोटिस जारी किया है। बताया जा रहा है कि इन कर्मचारियों से कंपनी के वित्तीय लेन–देन, निवेश और खर्चों से जुड़े कई अहम सवाल पूछे जाएंगे। अधिकारियों के मुताबिक, एक कर्मचारी पहले ही पूछताछ के लिए शाखा के सामने पेश हो चुका है और उसका बयान दर्ज कर लिया गया है। बाकी तीनों कर्मचारियों को भी जल्द पेश होने के निर्देश दिए गए हैं। ईओडब्ल्यू अब इस बात की जांच कर रही है कि क्या वास्तव में राज कुंद्रा की कंपनी के पास इतना बड़ा ऑर्डर था, जिसके चलते उन्हें एक व्यवसायी से 60 करोड़ रुपये का लोन लेने की जरूरत पड़ी। साथ ही, अधिकारियों को शक है कि टैक्स बचाने के उद्देश्य से इस लोन को निवेश के रूप में दिखाया गया था।

जांच टीम इस पूरी फंडिंग प्रक्रिया की तह तक जाने की कोशिश कर रही है।

प्रोडक्ट सप्लायर और विज्ञापनदाताओं से भी पूछताछ

शाखा उन सभी कंपनियों से भी पूछताछ करेगी जो राज कुंद्रा और शिल्पा शेट्टी की कंपनी से सप्लाई या विज्ञापन के जरिए जुड़ी थीं। अगर किसी स्तर पर कोई गड़बड़ी या संदिग्ध ट्रांजैक्शन सामने आता है, तो ईओडब्ल्यू शिल्पा शेट्टी और राज कुंद्रा से दोबारा पूछताछ कर सकती है।

कंपनी के खर्चों पर सवाल

पूछताछ के दौरान एक कर्मचारी से कंपनी के वित्तीय ढांचे को लेकर भी कई सवाल पूछे गए। अधिकारियों ने पूछा कि कर्मचारियों को वेतन किस स्रोत से दिया जाता था– कंपनी की वास्तविक कमाई से या किसी बाहरी निवेश से? इसके अलावा, यह भी जांच की जा रही है कि कंपनी के ऑफिस की फर्निशिंग पर करीब 20 करोड़ रुपये खर्च करने का दावा कितना सही है। इस सिलसिले में फर्निशिंग का काम करने वाली कंपनियों से भी पूछताछ की जाएगी।

विदेश यात्रा की अनुमति पर रोक

कुछ समय पहले शिल्पा शेट्टी ने कोर्ट से विदेश यात्रा की अनुमति मांगी थी, लेकिन अदालत ने उनकी याचिका यह कहते हुए खारिज कर दी कि जब तक वह कथित धोखाधड़ी की रकम जमा नहीं करतीं, तब तक विदेश नहीं जा सकतीं।

नवाजुद्दीन सिद्दीकी की छाप ने थामा को बनाया बॉक्स ऑफिस सनसनी

बहुमुखी प्रतिभा और गहराई के मामले में, नवाजुद्दीन सिद्दीकी अपनी अलग ही पहचान रखते हैं। उनका हर किरदार अभिनय में एक उत्कृष्ट कृति बन जाता है, और थामा इसका एक बेहतरीन उदाहरण हैं। यक्षसन के उनके किरदार ने दुनिया भर के दर्शकों के दिलों में तुरंत जगह बना ली है। अपनी दमदार स्क्रीन प्रेजेंस से लेकर अपनी भावनाओं के स्तर तक, नवाजुद्दीन ने एक बार फिर सबको याद दिला दिया है कि उन्हें भारतीय सिनेमा के सबसे दमदार कलाकारों में से एक क्यों माना जाता है। प्रशंसक, आलोचक और फिल्म जगत के जानकार, सभी एकमत होकर यक्षसन की प्रशंसा करते हैं, यह सिर्फ एक किरदार नहीं, बल्कि एक ऐसा एहसास है जो हमेशा याद रहता है। नवाजुद्दीन के जादू ने थामा को वाकई असाधारण बना दिया है। उनकी प्रभावशाली स्क्रीन एनर्जी, सूक्ष्म भाव–भंगिमाएँ और गहरी तीव्रता हर फ्रेम में जान डाल देती है, जिससे फिल्म देखने लायक बन जाती है। यही वह जादू है जिसने श्थामाश को दुनिया भर में बॉक्स ऑफिस पर जबरदस्त सफलता दिलाई है। फिल्म की वैश्विक सफलता लगातार बढ़ रही है, और इसकी सफलता का श्रेय नवाजुद्दीन की अद्भुत उपस्थिति और बेजोड़ कलात्मकता को जाता है। सबसे जटिल भूमिकाओं को भी प्रासंगिक बनाने की उनकी क्षमता ही उन्हें थम्मा की जान बनाती है। उनकी बदौलत, यह फिल्म एक आकर्षक कहानी से बॉक्स ऑफिस पर एक सनसनी बन गई है जो लगातार दिल जीत रही है। थामा की जबरदस्त सफलता के साथ, नवाजुद्दीन अब आगे की रोमांचक फिल्मों के लिए तैयार हैं। प्रशंसक थामा2 में उनकी वापसी का बेसब्री से इंतजार कर रहे हैं, जो पहले से ही सबसे प्रतीक्षित सीक्वल में से एक है। इसके अलावा, वह सेक्शन 108, रात अकेली है और कई अन्य आगामी प्रोजेक्ट्स में नजर आएंगे, जो एक बार फिर उनकी बेजोड़ बहुमुखी प्रतिभा को प्रदर्शित करने का वादा करते हैं। हमेशा की तरह, नवाजुद्दीन सिद्दीकी यह साबित करते रहे हैं कि जब वह पर्दे पर होते हैं, तो चमक की गारंटी होती है और बॉक्स ऑफिस पर भी धूम मच जाती है।

बर्थडे को खास बनाने के लिए अथिया शेट्टी ने जताया फैंस का आभार

शेयर की बचपन से लेकर पति की गोद में प्यार फरमाने की तस्वीरें

बॉलीवुड एक्ट्रेस अथिया शेट्टी 5 नवंबर को पूरे 33 साल की हो गई हैं। इस मौके पर उन्होंने करीबियों से लेकर फैंस तक की चौतरफा से खूब शुभकामनाएं मिली, जिसे पाकर एक्ट्रेस का दिल खुशी से भर गया। इतना ही नहीं, अथिया ने बर्थडे को खास बनाने के लिए एक स्पेशल पोस्ट शेयर कर फैंस और करीबियों का शुक्रिया भी अदा किया। इसे लेकर किया उनका ये पोस्ट सोशल मीडिया पर खूब वायरल हो रहा है। अथिया शेट्टी ने अपने इंस्टाग्राम पर कई तस्वीरों की सीरीज शेयर की और कैप्शन में लिखा–जन्मदिन की बातें....प्यार और शुभकामनाओं के लिए शुक्रिया... बहुत आभारी हूं। एक्ट्रेस द्वारा शेयर की गई पहली तस्वीर में अथिया का बचपन देखा जा सकता है। दूसरी तस्वीर सूरजमुखी के फूलों की है। तीसरी तस्वीर में अथिया पति केएल राहुल की गोद में बैठ प्यार से देती नजर आ रही हैं। चौथी तस्वीर में के एल राहुल के हाथ के टैटू दिख रहे हैं, जिसमें वह कॉफी पकड़े नजर आ रहे हैं। पांचवी फोटो में एक कार्ड की है, जिसपर लिखा है अथिया बर्थ डे डिनर। छठी तस्वीर में अथिया सेल्फी लेती नजर आ रही हैं। सातवी तस्वीर एक लजीज केक की है। जिसपर लिखा है, हैप्पी बर्थ डे इवारू का मम्मा ....। जैसे ही अथिया का ये पोस्ट सोशल मीडिया पर सामने आया, फैंस फिर से इस पर प्यार बरसाने लग गए और कमेंट कर अपनी प्रतिक्रिया भी देते नजर आए। बता दें, अथिया शेट्टी ने 23 जनवरी, 2023 को पिता सुनील शेट्टी के खंडाला स्थित फार्महाउस में एक निजी समारोह में क्रिकेटर केएल राहुल से शादी की थी। इसके बाद कपल ने एक प्यारी सी बेटी का स्वागत किया, जिसका नाम उन्होंने इवारा रखा है।

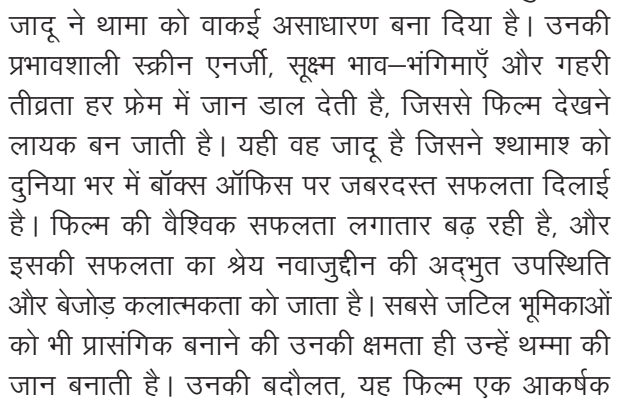

दिग्गज अभिनेत्री–गायिका सुलक्षणा पंडित ने 71 की उम्र में दुनिया को कहा अलविदा, बॉलीवुड में शोक

मशहूर अभिनेत्री और पार्श्व गायिका सुलक्षणा पंडित का बृहस्पतिवार को दिल का दौरा पड़ने से निधन हो गया।उनके भाई ललित पंडित ने यह जानकारी दी। सुलक्षणा71 वर्ष की थीं। सुलक्षणा को नानावटी अस्पताल ले जाया जा रहा था, तभी उन्होंने अंतिम सांस ली। ललित पंडित ने बताया, ''शाम करीब सात बजे दिल का दौरा पड़ने से सुलक्षणा का निधन हो गया। उन्होंने सांस लेने में तकलीफ होने की शिकायत की थी और थोड़ी अस्वस्थ लग रही थीं। हम उन्हें नानावटी अस्पताल ले जा रहे थे, लेकिन अस्पताल पहुंचने से पहले ही उनका निधन हो गया।''

सुलक्षणा पंडित का 71 साल की उम्र में निधन

सुलक्षणा ने 1975 में संजीव कुमार के साथ फिल्म ''उलझन'' से करियर शुरुआत की और फिर राजेश खन्ना, शशि कपूर और विनोद खन्ना सहित अपने दौर के लगभग सभी शीर्ष सितारों के साथ काम किया। उनकी अन्य प्रमुख फिल्में ''संकोच'', ''हेराफेरी'' और ''खानदान'' हैं। पार्श्व गायिका के रूप में भी सुलक्षणा का समानांतर और उतना ही प्रभावशाली करियर रहा और उन्होंने 'तू ही सागर तू ही किनारा', 'परदेसिया तेरे देश में', 'बेकरार दिल टूट गया' और 'बांधी रे काहे प्रीत' जैसे हिट गाने गाए। वह हरियाणा के हिसार के एक संगीत परिवार से थीं। पंडित जसराज उनके करीबी रिश्तेदार थे।

सुलक्षणा पंडित कौन हैं?

1954 में जन्मी सुलक्षणा पंडित ने बॉलीवुड में संजीव कुमार के साथ फिल्म उलझन से शुरुआत की। इसके बाद उन्होंने राजेश खन्ना, शशि कपूर और विनोद खन्ना जैसे अपने दौर के शीर्ष सितारों के साथ काम किया। अपनी भावपूर्ण आवाज़ से चार्ट में शीर्ष पर रहीं पंडित एक समृद्ध संगीत विरासत वाले परिवार से ताल्लुक रखती हैं, और उनके दोनों भाई–बहनों ने संगीत जगत में अपना नाम कमाया। पंडित जसराज की भतीजी सुलक्षणा ने नौ साल की उम्र में गाना शुरू कर दिया था और उनके भाई–बहन जतिन, ललित और मंधीर हैं। उनकी कुछ उल्लेखनीय फिल्मों में संकोच, हेराफेरी, खानदान, धरम खंता, दो वक्त की रोटी और गोरा आदि शामिल हैं। 1978 में उन्होंने उत्तम कुमार के साथ एक बंगाली फिल्म, बंदी में अभिनय किया। उनकी डिस्कोग्राफी में तू ही सागर तू ही किनारा, परदेसिया तेरे देश में, बेकरार दिल टूट गया, बांधी रे काहे प्रीत, सात समुंदर पार, सोमवार को हम मिले, सोना रे तुझे कैसे मिलूं, ये प्यारा लागे तेरा चेहरा, जब आती होगी याद मेरी और ये प्यार किया है जैसे हिट गाने शामिल हैं।

टोरंटो शो में माधुरी के 3 घंटे देरी से पहुंचने पर हुआ बवाल तो अर्गनाइजर्स ने पेश की सफाई, कहा- यह देरी हमारे नियंत्रण से बाहर थी

फिल्म इंडस्ट्री की धक–धक गर्ल माधुरी दीक्षित इन दिनों टोरंटो शो दिल से.. माधुरी को लेकर चर्चा में हैं। हाल ही में एक्ट्रेस को अपने शो के चलते दर्शकों की नाराजगी का सामना करना पड़ा था। दरअसल, इस शो में माधुरी 3 घंटे देरी से पहुंचीं थीं, जिसके बाद उनकी खूब किरकिरी हई थी। वहीं, अब ट्रोलिंग के बाद इवेंट ऑर्गनाइजर्स ने एक्ट्रेस के लेट आने पर सफाई पेश की है और किसी और पर इस गलती का ठीकरा फोड़ा है। इवेंट ऑर्गनाइजर्स ने अपने बयान में दावा किया है कि माधुरी दीक्षित का कार्यक्रम समय पर शुरू हुआ था, लेकिन एक्ट्रेस को उनकी मैनेजमेंट टीम ने ही कॉल टाइम के बारे में गलत जानकारी दी, जिसके कारण वह इवेंट के लिए लेट हो गईं और 7.30 की जगह 10 बजे इवेंट में पहुंचीं। इसी के चलते ये सारा बवाल हुआ। ऑर्गेनाइजर्स ने सोशल मीडिया पर एक पोस्ट शेयर कर मिसलीडिंग कमेंट्री का जवाब देते हुए स्टेटमेंट जारी किया है। रिपोर्ट के मुताबिक, ऑर्गनाइजर्स ने कहा, श्हम सोशल मीडिया पर फैल रही गलतफहमियों को दूर करना चाहते हैं। कार्यक्रम अपने तय समय पर ही शुरू हुआ। इवेंट की शुरुआत इंडियन आइडल के सिंगर्स ने ऊर्जावान प्रस्तुति के साथ की। शो का फॉर्मेट पहले ही माधुरी दीक्षित की मैनेजमेंट टीम के साथ शेयर कर दिया गया था, जिसके मुताबिक, 8.30 बजे सवाल–जवाब सेशन और इस सेशन के बाद माधुरी दीक्षित का 60 मिनट का परफॉर्मेंस निर्धारित था। हमारी प्रोडक्शन टीम तैयार थी, लेकिन माधुरी दीक्षित की मैनेजमेंट टीम ने उन्हें कॉल टाइम को लेकर गलत जानकारी दी, जिसके कारण वह लगभग रात 10 बजे इवेंट में पहुंचीं। यह देरी पूरी तरह से हमारे नियंत्रण से बाहर थी। ऑर्गेनाइजर्स ने बैकस्टेज के हालातों के बारे में भी कहा, श्रेया गुप्ता जैसे कुछ बैकस्टेज मेंबर आर्टिस्ट के कॉडिनेशन में सहयोग देने की जगह प्राइवेट वीडियो रिकॉर्डिंग में व्यस्त थीं। उनकी इस गलती ने भ्रम की स्थिति और बढ़ा दी। हमने स्टेज से लेकर लाइटिंग, साउंड और ऑडियंस मैनेजमेंट जैसी सभी जरूरी जिम्मेदारियां पूरी कीं। माधुरी दीक्षित की परफॉर्मेंस के वीडियो उनकी मौजूदगी को साफ तौर पर दर्शाते हैं, हम सभी से अनुरोध करते हैं कि पहले वे इन फुटेज को देखें और फिर निष्पक्ष रूप से फैसला लें। बता दें, 2 नवंबर को टोरंटो के ग्रेट कनाडियन कैसीनो रिजॉर्ट में माधुरी दीक्षित का शो था, जिसमें वह टाइम से पूरे 3 घंटे लेट पहुंची थी, जिस पर फैंस ने अपना गुस्सा जाहिर किया था। फैंस का आरोप था कि एक्ट्रेस के लेट पहुंचने से उनका समय और पैसा बर्बाद हुआ।

बाल झड़ने, टूटने और रूखेपन से हैं परेशान? ऐलोवेरा के इन नुस्खों से पाएं चमकदार–लंबे बाल

एलोवेरा बालों की ग्रोथ बढ़ाने और उन्हें लंबा व घना बनाने का एक प्रभावी प्राकृतिक उपाय है, जो विटामिन ए, सी, ई से भरपूर होकर बालों को मजबूती देता है। यह स्कैल्प के रक्त संचार को सुधारकर बालों का झड़ना रोकता है, उन्हें चमकदार बनाता है और रूसी व रूखेपन को दूर करता है। लंबे–काले बालों के लिए इसे नारियल तेल, प्याज के रस या आंवला पाउडर के साथ हेयर मास्क के रूप में उपयोग करने के तरीके बताए गए हैं।

6 दिनों में ही रक्तवाहिकाएँ 18 साल की उम्र जैसी हो जाएँगी! बस रोज सुबह खाली पेट यह करना है

बालों की ग्रोथ बढ़ाने के लिए हम सभी क्या–क्या ट्राई करते हैं। बालों की लंबाई बढ़ाई के लिए कई तरह के शैंपू, तेल, कंडीशनर, सीरम का यूज करते हैं। इसके बाद भी बालों की लंबाई नहीं बढ़ती है। ज्यादातर लड़कियों की चाहत होती है कि उनके बाल कमर तक लंबे और घने हो। यदि आपको भी बालों की लंबाई बढ़ानी है तो एलोवेरा जेल लगाने का सही तरीका जान लीजिए। एलोवेरा बालों के लिए काफी फायदेमंद होता है, इसको सही ढंग से बालों में लगाने से हेयर ग्रोथ बढ़ाता है।

बालों में एलोवेरा लगाने के फायदे

एलोवेरा जेल में विटामिन ए,सी और ई पाया जाता है। ये विटामिन बालों की ग्रोथ के साथ उन्हें मजबूती देता है। एलोवेरा बालों में लगाने से स्कैल्प का ब्लड सर्कुलेनशन अच्छा होता है और यह बालों की ग्रोथ को बढ़ाता है। ये बालों को झड़ने और टूटने को रोकता है। एलोवेरा जेल लगाने से बालों में चमक आती है। यदि आपके बालों में रूसी है या ड्राईनेस है, तो एलोवेरा आपके बालों को सॉफ्ट बनाता है।

कैसे इस्तेमाल करें

सबसे पहले आप एलोवेरा की ऊपर सतह को काटकर जेल निकाल लें। अब एक कटोर में दो चम्मच तक एलोवेरा जेल डाल दें, इसमें 1 चम्मच नारियल तेल मिला लीजिए। दोनों को अच्छे से मिक्स कर लें और फिर बालों में 30 मिनट तक अप्लाई करके छोड़ दें। यह आपके बालों में चमक और ग्रोथ लेकर आएगी।

प्याज का रस और एलोवेरा जेल

एक कटोरी में 2 चम्मच प्याज का रस, 2 चम्मच एलोवेरा जेल मिक्स कर दें। इसे आप 20–25 मिनट तक लगाकर रखें और फिर पानी से सिर धोएं। प्याज का रस और एलोवेरा बालों का टूटना कम करेंगे और ग्रोथ भी बढ़ेगी।

आंवला पाउडर और एलोवेरा जेल

इसके लिए आपको 2 स्पून एलोवेरा जेल लेना है। एक स्पून आंवला पाउडर मिक्स करना है। इन दोनों को मिक्स कर लें और 30 मिनट तक हेयर्स में लगाएं रखें। बता दें कि, आंवला पाउडर बालों को काला करने में सहायक होता है और एलोवेरा जेल बालों की लंबाई बढ़ाता है।

बोल्ड और कॉन्फिडेंट दिखना है? 2025 के ये ट्रेंडी आइब्रो शेप्स हैं आपका नया स्टाइल स्टेटमेंट

आजकल चेहरे की खूबसूरती बढ़ाने के लिए आइब्रो खासा रोल अदा कर रही है। जब–जब फैशन ट्रेड्स आते हैं तब–तब आइब्रो के शेप्स भी तेजी से बदलते हैं और 2025 में बोल्ड, डिफाइन्ड और वॉल्यूम से भरपूर आइब्रो का दौर जोरों पर है। आजकल की जेनरेशन अपने लुक को लेकर काफी तैयारी करते हैं। अपने लुक को एक्सप्रेसिव और कॉन्फिडेंट दिखाने के लिए नए ट्रेंडिंग ब्रो शेप्स को अपनाना पसंद करती हैं। आइए आपको बताते हैं 2025 में ट्रेंड करने वाले बोल्ड आइब्रो शेप्स के बारे में, जो आपको एक ग्लैमरस और स्टाइलिश लुक।

आइब्रो के डिफरेंट लुक

फेदरड आइब्रो

यह आइब्रो शेप नेचुरल थिकनेस को बनाएं रखते हुए ब्रो हेयर्स को हल्के–हल्के ब्रश करके फेदरी टेक्सर देती है। यह लुक साफ–सुथरा और वॉल्यूमिनस होता है। यह शेप चेहरे को सॉफ्ट लेकिन बोल्ड अपीयरेंस देने के लिए परफेक्ट होता है।

हाई आर्च्ड आइब्रो

यदि आप अपने फेस को शार्प और एलिगेंट दिखाना चाहती है, तो हाई आर्च्ड आइब्रो एक अच्छा ऑप्शन है। इस लुक में ब्रो का आर्च ज्यादा उभरा हुआ होता है, जो आंखों को लिफ्टेड और फेस को स्लिम दिखाने में मदद करता है।

स्ट्रेट ब्रो ट्रेंड

इस दौरान अभी भी कोरियन स्टाइल मशहूर स्ट्रेट ब्रो का ट्रेंड जारी है। यह बिना किसी आर्च के सीधी होती है और यंग, फ्रेश व इनोसेंट लुक देने में मदद करती है। यह खासतौर पर लंबी और अंडाकार चेहरों के लिए बेस्ट है।

ब्रश्ड–अप आइब्रो

यह ट्रेंडी लुक ब्रो के हेयर की ओर ब्रश किए जाते हैं और फिर इसे जेल वैक्स की मदद से सेट किया जाता है। यह फेस को फियरलेस लुक देता है और कम उम्र की महिलाओं में काफी पॉपुलर है।

ओम्ब्रे आइब्रो

यह ओम्ब्रे शेप की ब्रो की शुरुआत लाइट कलर की होती है और धीरे–धीरे एंड डार्क होता है। यह शेप फुल ब्रो लुक के साथ प्रोफेशनल और पॉलिश्ड अपीयरेंस देता है। यह पाउडर या टैटू टेक्नीक से भी बनाया जा सकता है।

छोटे कद की लड़कियों पर खूब जचते हैं ये हेयरस्टाइल, एक बार ट्राई करके देखिए

छोटी हाइट वाली लड़कियों के लिए हेयरस्टाइल चुनते समय सबसे जरूरी बात होती है–चेहरे की शेप और बालों की लंबाई। सही हेयरस्टाइल आपके लुक को न सिर्फ बैलेंस्ड बल्कि ऊंचा और स्लिम भी दिखा सकता है। आज हम आपको कुछ कुछ बेहतरीन हेयरस्टाइल आइडियाज बताने जा रहे हैं जो आपको स्टाइलिश और आत्मविश्वासी लुक देंगे।

लेयर्ड कट

लेयर्स बालों में वॉल्यूम और मूवमेंट देती हैं, जिससे चेहरा लंबा दिखाई देता है। शॉर्ट हाइट वाली लड़कियों के लिए फेस–फ्रेमिंग लेयर्स सबसे अच्छा विकल्प हैं। अगर बाल लंबे हैं, तो फ्रंट लेयर या साइड लेयर कट करवा लें ताकि चेहरा ज्यादा लंबा दिखे।

लॉब कट

यह कंधे तक आने वाला बॉब कट होता है जो हर फेस शेप पर सूट करता है। ये स्टाइल छोटी हाइट वाली लड़कियों पर इसलिए अच्छा लगता है क्योंकि यह लुक को "क्लीन और एलिगेंट" बनाता है। साइड पार्टिंग करें ताकि चेहरा थोड़ा लंबा और शार्प दिखे।

हाई पोनीटेल

हाई पोनीटेल सिर के ऊपरी हिस्से पर वॉल्यूम बढ़ाकर ऊंचाई का भ्रम पैदा करती है। यह हर ड्रेस पर सूट करती है, इंडियन या वेस्टर्न दोनों में। बालों के सामने हल्के फ्रंट फ्लिक्स छोड़ें ताकि चेहरा सॉफ्ट लगे।

टॉप नॉट बन

ऊंचे जूड़े से आपकी नेक और फेस दोनों लंबे दिखते हैं। शादी, पार्टी या फॉर्मल इवेंट्स के लिए परफेक्ट स्टाइल है। बालों के कुछ स्ट्रैंड बाहर छोड़ दें– इससे कैजुअल और नेचुरल लुक आता है।

साइड ब्रेड

अगर आपके बाल मीडियम या लंबे हैं तो साइड ब्रेड बहुत एलिगेंट दिखती है। इसे फ्लोरल क्लिप या छोटी बिंदी के साथ स्टाइल करें तो इंडियन लुक में चार चांद लग जाते हैं।

शॉर्ट बॉब

अगर आप बहुत शॉर्ट बाल चाहती हैं, तो चिन–लेंथ बॉब कट परफेक्ट रहेगा। इससे नेक एक्सपोज होती है, जो ऊंचाई को बढ़ा–चढ़ाकर दिखाती है। थोड़ा कर्वी या इनवर्ड बॉब करवाएं– ये फेस को स्ट्रक्चर देता है।

हाफ–अप हाफ–डाउन

ये रोमांटिक और यंग लुक देता है। यह स्टाइल सिर के ऊपरी हिस्से में वॉल्यूम जोड़ता है जिससे हाइट ज्यादा लगती है। सॉफ्ट वेव्स या कर्ल्स डालें ताकि बाल बाउंसी लगें।

'स्टाइलिंग के लिए टिप्स

–हमेशा बालों में वॉल्यूम बढ़ाने वाले प्रोडक्ट्स का इस्तेमाल करें।

– बहुत फ्लैट या ऑयली हेयरस्टाइल से बचें –इससे चेहरा चौड़ा और हाइट कम लग सकती है।

–साइड पार्टिंग या मिड हाई बन हमेशा चेहरा लम्बा दिखाते हैं।

सिर घुमना और कमजोरी नहीं है नॉर्मल, समझ लीजिए शरीर में हो चुकी है आयरन की कमी

अगर आप दिनभर थकान महसूस करते हैं, नींद के बाद भी शरीर भारी–भारी लगता है या काम करने में मन नहीं लगता तो ये सिर्फ ओवरवर्क या नींद की कमी नहीं, बल्कि आयरन डिफिशियेंसी का संकेत भी हो सकता है। आइए डॉक्टरों की राय के अनुसार जानते हैं कि ऐसा क्यों होता है और इसे कैसे सुधारा जा सकता है।

आयरन क्या करता है शरीर में

डॉक्टरों के अनुसार आयरन एक आवश्यक मिनरल है जो हीमोग्लोबिन बनाने में मदद करता है। हीमोग्लोबिन हमारे खून में ऑक्सीजन को शरीर के हर हिस्से तक पहुंचाता है। अगर शरीर में आयरन की कमी हो जाए, तो अंगों को पर्याप्त ऑक्सीजन नहीं मिलती और परिणामस्वरूप लगातार थकान, कमजोरी और चक्कर आने लगते हैं।

आयरन की कमी के आम लक्षण

–दिनभर थकावट और आलस्य महसूस होना

– चेहरा और होंठ पीले पड़ जाना

–बाल झड़ना, नाखून कमजोर होना

– सांस फूलना या हल्का–सा काम करने पर भी हृदयगति बढ़ना

–ध्यान केंद्रित करने में मुश्किल, सिरदर्द

– बार–बार संक्रमण होना या रोग–प्रतिरोधक क्षमता कम होना

डॉक्टर के सुझावः आयरन लेवल बढ़ाने के उपाय

हरी पत्तेदार सब्जियां पालक, मेथी, सरसों, चौलाई, मसूर, राजमा, चना, खजूर, किशमिश, अंजीर, बाजरा, ज्वार, ओट्स, चिकन लिवर, अंडे की जर्दी, मछली अपनी डाइट में शामिल करें ए विटामिन सी आयरन के अवशोषण में मदद करता है। इसलिए आयरन–फूड के साथ नींबू, संतरा, अमरूद या टमाटर जरूर खाए। चाय या कॉफी तुरंत खाने के बाद न पिएं, क्योंकि इनमें टैनिन होता है जो आयरन अवशोषण रोकता है। जंक फूड और ज्यादा प्रसंस्कृत भोजन से परहेज करें।

जरूरत हो तो डॉक्टर से सप्लीमेंट लें

यदि खून में हीमोग्लोबिन बहुत कम है, तो डॉक्टर आयरन सप्लीमेंट या इंजेक्शन दे सकते हैं। कभी भी खुद से दवा न लें, क्योंकि जरूरत से ज्यादा आयरन भी शरीर के लिए हानिकारक हो सकता है। ध्यान रखें लगातार थकान हमेशा आलस्य का नहीं, पोषण की कमी का संकेत हो सकती है। रीर आपको जो संकेत दे रहा है, उसे नजरअंदाज न करें।

पंजाबी सूट के साथ कैरी करें ये खास फुटवियर, पैरों की बढ़ जाएगी खूबसूरती

आज हम आपको कुछ ऐसे मोजड़ी डिजाइन के बारे में बताने जा रहे हैं, जिनको पहनकर आप अपने पैरों की खूबसूरती को बढ़ाने के साथ अपने लुक को गॉर्जियस बना सकती हैं। साथ ही इससे आपको एलिगेंट और डिफरेंट लुक मिलेगा।

बिना सर्जरी के एक हफ्ते में बवासीर से छुटकारा पाने का असरदार तरीका!

पंजाबी सूट के साथ किस तरह के फुटवियर कैरी करें, इसको लेकर महिलाएं अक्सर कंफ्यूज रहती हैं। अगर आप भी उन महिलाओं में शामिल हैं, जो आउटफिट पहनने के बाद यह नहीं सिलेक्ट कर पाती हैं कि उनको किस तरह के फुटवियर कैरी करें। तो अब आपको इसके लिए परेशान होने की जरूरत नहीं है। क्योंकि आज इस आर्टिकल के जरिए हम आपको कुछ ऐसे मोजड़ी डिजाइन के बारे में बताने जा रहे हैं, जिनको पहनकर आप अपने पैरों की खूबसूरती को बढ़ाने के साथ अपने लुक को गॉर्जियस बना सकती हैं। साथ ही इससे आपको एलिगेंट और डिफरेंट लुक मिलेगा।

ट्रेडिशनल पंजाबी मोजड़ी

पंजाबी सूट के साथ अपनी खूबसूरती में चार चांद लगाने के लिए और अपने लुक को गॉर्जियस बनाने के लिए आप फुटवियर में इस तरह की ट्रेडिशनल पंजाबी मोजड़ी ट्राई कर सकती हैं। ऐसे मोजड़ी कैरी करने से आपको डिफरेंट और गॉर्जियस लुक देने का काम करेगी। साथ ही इस मोजड़ी को पहनने से आपके पैरों की खूबसूरती बढ़ जाएगी। आप इस तरह की ट्रेडिशनल पंजाबी मोजड़ी ऑफलाइन और ऑनलाइन दोनों जगह से खरीद सकती हैं।

टैन एथनिक सैंडल

अपने लुक और खूबसूरती से सभी का दिल जीतने और अपने लुक को गॉर्जियस और डिफरेंट बनाने के लिए आप पंजाबी सूट के साथ खूबसूरत टैन एथनिक सैंडल ट्राई कर सकती हैं। इससे आपको मॉर्डन लुक मिलेगा और साथ ही आपके पैरों की खूबसूरती भी बढ़ जाएगी।

ब्लैक फ्लैट्स

अगर आप भी किसी फंक्शन के लिए पंजाबी सूट कैरी करने वाली हैं और आप कंफ्यूज हैं कि आपको कौन से फुटवियर पहनना चाहिए। तो बता दें कि आपको कंफ्यूज होने की जरूरत नहीं है। आप पंजाबी सूट के साथ खूबसूरत ब्लैक फ्लैट्स कैरी कर सकती हैं। पंजाबी सूट पर पहनने के लिए ऐसी फ्लैट्स परफेक्ट ऑप्शन हो सकती हैं। यह ब्लैक फ्लैट्स डिफरेंट लुक देने के साथ पैरों की खूबसूरती बढ़ाएंगे।

ब्लॉक हील्स पंप्स

बता दें कि पंजाबी सूट के साथ आपको हर एक छोटी–छोटी चीजों का ध्यान रखना होता है। ऐसे में ज्यादातर महिलाएं पंजाबी सूट के साथ एक्सेसरीज मैच करती हैं। लेकिन आप पंजाबी सूट के साथ खूबसूरत ब्लॉक हील्स पंप्स पहनकर अपने लुक को परफेक्ट बना सकती हैं। इन हील्स में आपका लुक न सिर्फ अट्रैक्टिव लगेगा, बल्कि आपका लुक भी डिफरेंट नजर आएगा। आप इस तरह ही हील्स ऑफलाइन और ऑनलाइन दोनों जगह से खरीद सकती हैं।

संक्षिप्त

डिजिटल धोखाधड़ी के मामले जुलाई से बढ़े, रिजर्व बैंक के महानिदेशक बोले– कारणों की जांच जारी

नई दिल्ली। डिजिटल धोखाधड़ी की घटनाएं इस साल जुलाई महीने से बढ़ रही हैं। रिजर्व बैंक के डिप्टी गवर्नर टी रबी शंकर ने शुक्रवार को यह दावा किया। एसबीआई के एक कार्यक्रम में बोलते हुए शंकर ने कहा कि जुलाई तक धोखाधड़ी में कमी आ रही थी और रिजर्व बैंक उसके बाद इसके बढ़ने के कारणों की जांच कर रहा है। उन्होंने कहा, ''यदि आप प्रति लेनदेन धोखाधड़ी पर नजर डालें तो हम पाएंगे कि पिछले वर्ष की तुलना में वर्ष की शुरुआत से धोखाधड़ी की घटनाएं जुलाई तक काफी कम रहीं, उसके बाद फिर से बढ़ने लगीं।'' धोखाधड़ी में कितना इजाफा हुआ इस बारे में कोई आंकड़ा साझा किए बिना शंकर ने बताया कि यह वृद्धि चक्रीय या महज मौसमी हो सकती है।

धोखाधड़ी से निपटने के लिए डिजिटल बुनियादी ढांचे का हो रहा इस्तेमाल

डीजी ने बताया कि धोखाधड़ी से निपटने के लिए डिजिटल बुनियादी ढांचे को तैनात किया जा रहा है। उन्होंने म्यूल हंटर का उदाहरण देते हुए बताया कि इसे धोखाधड़ी की गई राशि को ट्रैक करने के लिए डिजाइन किया गया है। वित्त वर्ष 2025 की वार्षिक रिपोर्ट के अनुसा धोखाधड़ी के मामलों में कमी आई और यह 23,953 हो गए। पिछले वित्त वर्ष में यह 36,000 से अधिक थे। आंकड़ों के अनुसार धोखाधड़ी मुख्य रूप से कार्ड और इंटरनेट सहित डिजिटल भुगतान की श्रेणी में हुई। रिपोर्ट के अनुसार संख्या के हिसाब से धोखाधड़ी के लगभग 60 प्रतिशत मामले निजी क्षेत्र के बैंकों के हैं। सार्वजनिक क्षेत्र के बैंकों का हिस्सा वित्त वर्ष 2025 के अंत तक 71 प्रतिशत से अधिक है। आरबीआई महानिदेशक ने कहा कि बैंक अपनी आईटी प्रणालियों, शाखा नेटवर्क और अनुपालन लागतों के भार के कारण ''संरचनात्मक रूप से कमजोर'' हैं। उन्होंने चेताया कि ''वृद्धिशील डिजिटलीकरण'' से उन्हें प्रतिस्पर्धी बनाये रखना संभव नहीं है।

बैंकों को आरबीआई डीजी ने दी यह सलाह

आरबीआई डीजी ने सुझाव दिया कि बैंक अपने मुख्य बुनियादी ढांचे के आधुनिकीकरण पर ध्यान दें ताकि फिनटेक पारिस्थितिकी तंत्र के साथ प्रतिस्पर्धा की जा सके। महानिदेशक ने यह भी साफ किया कि प्रतिस्पर्धात्मकता अब बैलेंस शीट की मजबूती पर उतनी निर्भर नहीं होगी जितनी कि डेटा क्षमता और प्रौद्योगिकी के लचीलेपन पर।

भारत–अमेरिका व्यापार समझौते पर सहमति जल्द, विनिर्माण बढ़ाने के लिए नवंबर के अंत तक शुरू होगा मिशन

नई दिल्ली। नीति आयोग के सीईओ बीवीआर सुब्रह्मण्यम ने शुक्रवार को भरोसा जताया कि भारत और अमेरिका के बीच प्रस्तावित द्विपक्षीय व्यापार समझौते पर नवंबर के अंत तक कोई सकारात्मक घोषणा हो सकती है। उन्होंने कहा कि भारत और अमेरिका के बीच पिछले कुछ समय से बातचीत में चुनौतियां

रही हैं, लेकिन अब दोनों देशों के बीच नए सिरे से कोशिशें जारी हैं। सुब्रह्मण्यम ने कहा कि मुझे लगता है कि अमेरिका के साथ चीजें थोड़ी मुश्किल रहीं, लेकिन अब बातचीत आगे बढ़ रही है। उम्मीद है कि इस महीने के अंत तक इस दिशा में कोई अच्छी खबर मिल सकती है। इसके साथ ही उन्होंने यह भी जानकारी दी कि राष्ट्रीय विनिर्माण मिशन नवंबर के अंत तक शुरू हो जाएगा। उन्होंने बताया कि भारत लगातार विदेशी निवेशकों के लिए आकर्षण का केंद्र बना हुआ है और वैश्विक कंपनियों की भारत में रुचि लगातार बढ़ रही है।

अक्तूबर में चीन का निर्यात घटा, अमेरिका को भेजे माल में आई 25 फीसदी की गिरावट

नई दिल्ली। चीन के निर्यात में अक्तूबर महीने में गिरावट दर्ज की गई है। सरकारी आंकड़ों के अनुसार, अमेरिका को होने वाले निर्यात में 25 प्रतिशत की तेज गिरावट आई, जिससे कुल वैश्विक निर्यात में 1.1 प्रतिशत की कमी दर्ज की गई। सितंबर में चीन के निर्यात में 8.3 प्रतिशत की वृद्धि हुई थी। वहीं अक्तूबर का प्रदर्शन फरवरी के बाद सबसे कमजोर रहा। हालांकि, पिछले हफ्ते अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप और चीनी राष्ट्रपति शी जिनपिंग के बीच हुई वार्ता के बाद दोनों देशों ने व्यापार युद्ध कम करने पर सहमति जताई है। विशेषज्ञों का मानना है कि इससे वर्ष की अंतिम तिमाही में कुछ राहत मिल सकती है, लेकिन व्यापारिक तनाव का असर अब भी अन्य बाजारों की मांग पर दिखाई दे रहा है। वहीं, चीन के आयात में अक्तूबर में मामूली एक प्रतिशत की वृद्धि दर्ज की गई, जो सितंबर के 7.4 प्रतिशत की वृद्धि दर से काफी कम है। विश्लेषकों का कहना है कि ये आंकड़े वैश्विक मांग में कमजोरी और अमेरिका–चीन व्यापारिक संबंधों में अनिश्चितता को दर्शाते हैं। चीन की ओर से अमेरिका को निर्यातित माल में लगातार सात महीनों से दोहरे अंक की गिरावट आ रही है, जबकि उसने अपने निर्यात बाजारों को दक्षिण–पूर्व एशिया और अफ्रीका जैसे क्षेत्रों में विविधतापूर्ण बना दिया है। अक्तूबर में आई गिरावट 2024 में इसी महीने के लिए उच्च आधार से भी प्रभावित हुई, जब निर्यात वृद्धि 12.6: से अधिक हो गई। यह दो वर्षों में सबसे तेज दर थी। पिछले महीने आयात में 1: की वृद्धि हुई, जबकि सितंबर में पिछले साल की समान अवधि में इसमें 7.4: की वृद्धि हुई थी। अर्थशास्त्रियों का कहना है कि लंबे समय से चल रही प्रॉपर्टी सेक्टर की मंदी और कमजोर घरेलू खपत चिंता का विषय बनी हुई है।

हॉन्गकॉन्ग सुपर सिक्सेस में भी भारत से हारा पाकिस्तान, उथप्पा-बिन्नी चमके

मॉन्ग कॉक। हॉन्गकॉन्ग सुपर सिक्सेस टूर्नामेंट का आगाज हो चुका है। भारत ने ग्रुप स्टेज में पूल–सी के अपने पहले मैच में पाकिस्तान को डकवर्थ लुईस नियम के आधार पर दो रन से हरा दिया। पाकिस्तान के कप्तान अब्बास अफरीदी ने टॉस जीतकर पहले गेंदबाजी का फैसला किया था। पहले बल्लेबाजी करते हुए भारत ने छह ओवर में चार विकेट गंवाकर 86 रन बनाए। जवाब में पाकिस्तान की टीम तीन ओवर में एक विकेट गंवाकर 41 रन बना सकी थी।

तभी बारिश ने खलल डाला और मैच को रोक दिया गया। इसके बाद मैच नहीं हो सका। डकवर्थ लुईस नियम के आधार पर पाकिस्तान तब भारत के स्कोर से दो रन पीछे था और इस तरह टीम इंडिया ने दो रन से जीत हासिल की। भारत का अगला मैच अब कुवैत से है। भारत पूल–सी में फिलहाल पाकिस्तान के बाद दूसरे स्थान पर है। हालांकि, कुवैत को हराने के बाद टीम इंडिया शीर्ष पर पहुंच जाएगी। एक ग्रुप में तीन टीमें हैं।

भारत की पारी

पहले बल्लेबाजी करते हुए भारत के लिए रॉबिन उथप्पा और भरत चिप्ली ने 15 गेंद में 42 रन की साझेदारी निभाई। उथप्पा 11 गेंद में दो चौके और तीन छक्कों की मदद से 28 रन बनाकर आउट हुए। इसके बाद चिप्ली भी 13 गेंद में दो चौके और दो छक्कों की मदद से 24 रन बनाकर आउट हुए। बिन्नी दो गेंद में चार रन ही बना सके। वहीं, कप्तान दिनेश कार्तिक छह गेंद में दो चौके और एक छक्के की मदद से 17 रन बनाकर नाबाद रहे। अभिमन्यू मिथुन पांच गेंद में छह रन बना सके। शाहबाज नदीम को बल्लेबाजी का मौका नहीं मिला। पाकिस्तान की ओर से मोहम्मद शहजाद ने दो विकेट लिए, जबकि अब्दुल समद को एक विकेट मिला।

पाकिस्तान की पारी

जवाब में पाकिस्तान की टीम के लिए ख्वाजा नफे और माज सदाकत ने तेज शुरुआत की। दोनों ने आठ गेंद में 24 रन जोड़ लिए। सदाकत को बिन्नी ने कार्तिक के हाथों कैच कराया। वह तीन गेंद में सात रन बना सके। इसके बाद

ख्वाजा ने समद के साथ 17 रन की साझेदारी की ही थी कि बारिश आ गई। ख्वाजा नौ गेंद में एक चौका और दो छक्के की मदद से 18 रन और समद छह गेंद में दो चौके और एक छक्के की मदद से 16 रन बनाकर नाबाद रहे। भारत के लिए बिन्नी ने एक विकेट लिया। बारिश के वक्त पाकिस्तान डकवर्थ लुईस नियम के आधार पर दो रन पीछे था। भारत का कुवैत से मुकाबला आठ नवंबर को है। वहीं, पाकिस्तान ने ग्रुप स्टेज का अपना पहला मुकाबला कुवैत के खिलाफ चार विकेट से जीता था। तब कुवैत ने छह ओवर में दो विकेट गंवाकर 123 रन बनाए थे। जवाब में पाकिस्तान ने छह ओवर में एक विकेट गंवाकर 124 रन बनाए थे।

क्या है हॉन्गकॉन्ग सुपर सिक्सेस?

हॉन्गकॉन्ग सुपर सिक्सेस फटाफट क्रिकेट का नया प्रारूप है। यह एक रोमांचक क्रिकेट टूर्नामेंट है जिसका प्रारूप पारंपरिक क्रिकेट से काफी अलग है। यह प्रारूप आक्रामक बल्लेबाजी और तेजतर्रार खेल को बढ़ावा देने के मकसद से बनाया गया है, जिससे मैच काफी रोमांचक हो जाते हैं। इसमें रिटायर्ड खिलाड़ियों के अलावा मौजूदा खिलाड़ी भी हिस्सा ले सकते हैं। इसमें मुख्य नियम और प्रारूप इस प्रकार हैं–

टूर्नामेंट का प्रारूप

टीमें और खिलाड़ी: प्रत्येक मैच दो टीमों के बीच खेला जा रहा है। हर एक टीम में 6 खिलाड़ी हैं।

ओवर: प्रत्येक पारी अधिकतम 6 ओवर (36 गेंदें) की होती है।

गेंदबाजी: विकेटकीपर को छोड़कर क्षेत्ररक्षण करने वाली टीम के प्रत्येक खिलाड़ी को एक ओवर फेंकना अनिवार्य है।

ग्रुप और नॉकआउट चरण:

टीमें पहले ग्रुप चरण में प्रतिस्पर्धा करेंगी। कुल मिलाकर 12 टीमें हिस्सा ले रही हैं। तीन टीमों का एक ग्रुप है। प्रत्येक ग्रुप से शीर्ष दो टीमें क्वार्टर फाइनल में पहुंचेंगी।

इस टूर्नामेंट में हिस्सा लेने वाली टीमें हैं– भारत, पाकिस्तान, दक्षिण अफ्रीका, ऑस्ट्रेलिया, श्रीलंका, नेपाल, अफगानिस्तान, कुवैत, यूएई, इंग्लैंड, बांग्लादेश और हॉन्गकॉन्ग।

क्वार्टर फाइनल के बाद, प्रतियोगिता नॉकआउट चरण में प्रवेश करेगी, जिसमें मुख्य फाइनल, प्लेट फाइनल और बाउल फाइनल जैसे विभिन्न स्तर हैं, ताकि सभी टीमों के बीच मुकाबले जारी रहे।

कुछ खास नियम

आखिरी बल्लेबाज: यदि पांच विकेट छह ओवर पूरे होने से पहले गिर जाते हैं, तो आखिरी बल्लेबाज बल्लेबाजी जारी रख सकता है और पांचवां आउट हुआ खिलाड़ी रनर के रूप में मैदान पर रहता है। पारी तब समाप्त होती है जब आखिरी बल्लेबाज आउट हो जाता है।

वाइड और नो–बॉलरू वाइड और नो–बॉल पर 2 रन की पेनल्टी होती है।

मैच की अवधिरू प्रत्येक मैच लगभग 45 मिनट तक चलता है।

अक्षर पटेल बोले- पिछली गलतियों से सीखा, बाउंड्री के आकार को शॉट चयन पर हावी नहीं होने दिया

कैरारा। ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ चौथे टी20 अंतरराष्ट्रीय में अपने हरफनमौला खेल से प्रभावित करने वाले भारतीय खिलाड़ी अक्षर पटेल ने कहा कि उन्होंने अपनी पिछली गलतियों से सीख लेते हुए बाउंड्री के आकार को अपने शॉट चयन पर हावी नहीं होने दिया। अक्षर ने 11 गेंदों में एक चौका और एक छक्का की मदद से नाबाद 21 रन बनाए। उन्होंने इस दौरान आखिरी ओवर में मार्कस स्टोइनिस के खिलाफ लगातार गेंदों पर चौका और छक्का लगाकर टीम के स्कोर को 167 रन तक पहुंचाने में अहम योगदान दिया। अक्षर ने गेंद से भी कमाल करते हुए दो विकेट चटकाए। भारत ने इस मैच को 48 रन से जीतकर सीरीज में 2–1 की अजेय बढ़त बना ली। 'प्लेयर ऑफ द मैच' चुने गए अक्षर ने बीसीसीआई टीवी से कहा, जाहिर है, मुझे पता था कि यह मुश्किल होगा क्योंकि लगातार विकेट गिर रहे थे। ड्रेसिंग रूम से मुझे यही संदेश मिला कि मुझे आखिरी ओवर क्रीज पर डटे रहना है क्योंकि मेरे बाद कोई बल्लेबाज नहीं था। इस 31 साल के हरफनमौला ने कहा, मैंने सोचा कि आखिरी ओवर में जोखिम उठाउंगा।

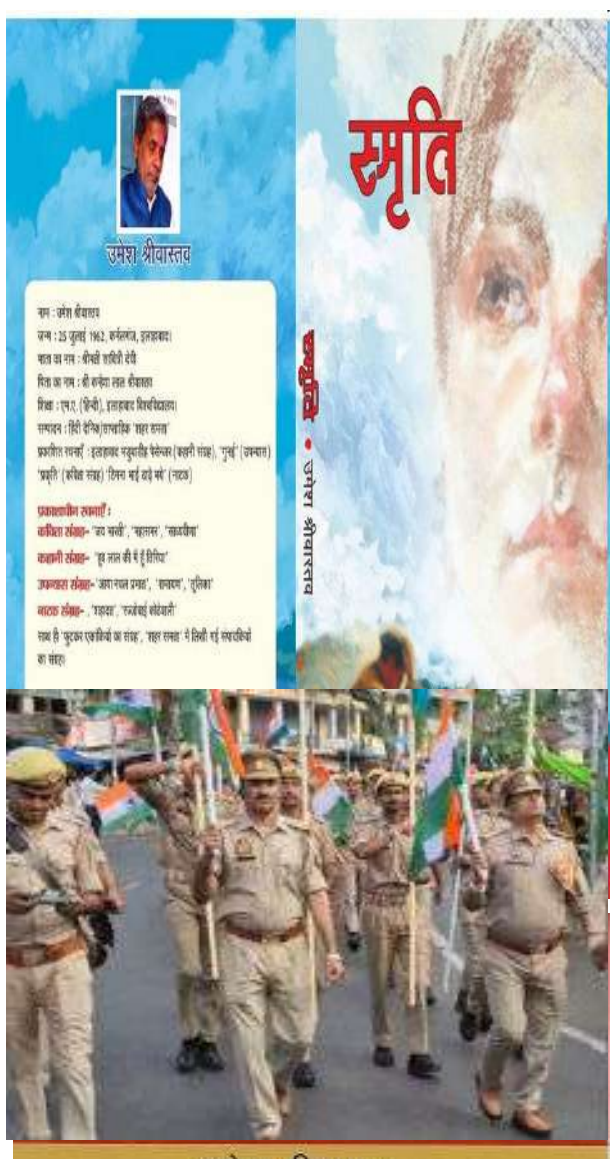

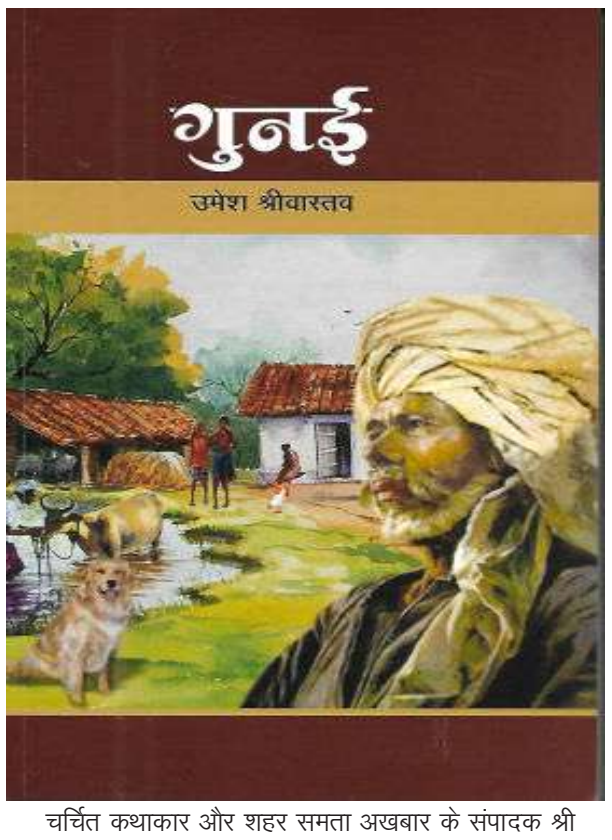

चर्चित कथाकार और शहर समता अखबार के संपादक श्री उमेश श्रीवास्तव जी का ग्रामीण पृष्ठभूमि पर लिखा बहु प्रतीक्षित

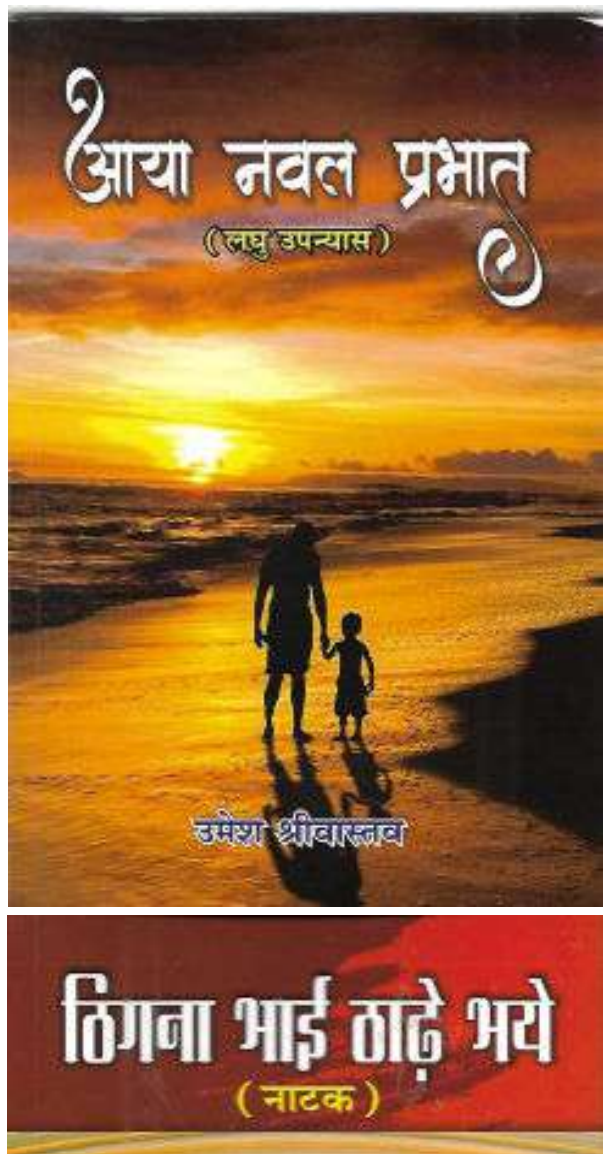

समूह के लोकप्रिय साहित्यकार श्री उमेश श्रीवास्तव जी का कहानी संग्रह इलाहाबाद मडुवाडीह पैसेंजर प्रकाशित हो गया है। उमेश श्रीवास्तव जी को बहुत बधाई एवम शुभकामना।

ठिगना भाई ठाढ़े भये (Thigna Bhai Thade Bhaye)

अगले साल भारत की यात्रा कर सकता हूं, डोनाल्ड ट्रंप बोले– मोदी मेरे दोस्त, बातचीत शानदार

अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने गुरुवार को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की प्रशंसा की और कहा कि दोनों देशों के बीच व्यापार पर बातचीत जारी रहने के बीच वह अगले साल भारत की यात्रा कर सकते हैं। वजन घटाने वाली दवाओं की कीमतें कम करने की घोषणा के बाद व्हाइट हाउस में पत्रकारों से बात करते हुए ट्रंप ने कहा कि प्रधानमंत्री मोदी के साथ उनकी बातचीत सुचारू रूप से आगे बढ़ रही है। उन्होंने प्रधानमंत्री के साथ अपने व्यक्तिगत संबंधों को भी दोहराया। अमेरिकी राष्ट्रपति के आधिकारिक आवास एवं कार्यालय 'व्हाइट हाउस' के 'ओवल ऑफिस' में पत्रकारों से बातचीत के दौरान जब ट्रंप से पूछा गया कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के साथ उनकी बातचीत और भारत के साथ व्यापार वार्ता कैसी चल रही है, तो उन्होंने कहा, ''बहुत बढ़िया, अच्छी चल रही है। उन्होंने (प्रधानमंत्री मोदी ने) रूस से तेल खरीदना काफी हद तक बंद कर दिया है।'' ट्रंप ने कहा, ''वह (प्रधानमंत्री मोदी) मेरे दोस्त हैं, हम बात करते रहते हैं... वह चाहते हैं कि मैं वहां आऊं। हम इस पर विचार कर रहे हैं। मैं जाऊंगा। मैंने वहां प्रधानमंत्री मोदी के साथ एक शानदार यात्रा की थी। वह एक अच्छे व्यक्ति हैं। मैं फिर जाऊंगा।'' जब उनसे पूछा गया कि क्या वह अगले साल भारत की यात्रा की योजना बना रहे हैं, तो ट्रंप ने जवाब दिया, ''हां, हो सकता है।'' भारत अगले वर्ष क्वाड (चतुष्पक्षीय सुरक्षा संवाद) शिखर सम्मेलन की मेजबानी करेगा, जिसमें ऑस्ट्रेलिया, जापान और अमेरिका के नेता भाग लेंगे। इससे पहले 2024 का शिखर सम्मेलन विलमिंगटन (डेलावेयर) में आयोजित हुआ था। बहरहाल, भारत में होने वाले सम्मेलन की तारीखों की घोषणा अभी नहीं हुई है। पत्रकारों से बातचीत में ट्रंप ने एक बार फिर यह दावा दोहराया कि उन्होंने भारत और पाकिस्तान के बीच मई में हुए युद्ध को व्यापार के जरिये रुकवाया था। उन्होंने कहा, ''मैंने आठ युद्ध खत्म कराए जिनमें से पांच या छह तो शुल्क (टैरिफ) के जरिए खत्म कराए। मैं आपको एक उदाहरण देता हूं। अगर आप भारत और पाकिस्तान को देखें तो उन्होंने लड़ाई शुरू कर दी थी। वे दोनों परमाणु संपन्न देश हैं... वे एक–दूसरे पर गोलीबारी कर रहे थे। आठ विमान गिरा दिए गए थे। पहले सात थे। अब आठ हैं क्योंकि एक विमान जो मार गिराया गया था, उसे अब त्याग दिया गया है। आठ विमान गिराए गए।'' ट्रंप ने कहा, ''और मैंने कहा, 'सुनो, अगर तुम लोग लड़ते रहोगे तो मैं तुम पर शुल्क लगा दूंगा।' वे दोनों खुश नहीं थे लेकिन 24 घंटे के भीतर मैंने वह युद्ध सुलझा दिया। अगर मेरे पास शुल्क (टैरिफ) न होता तो मैं वह युद्ध नहीं रोक पाता।'' राष्ट्रपति ट्रंप ने शुल्क को ''राष्ट्रीय रक्षा का एक बड़ा'' माध्यम भी बताया।

संक्षिप्त

इंडोनेशिया में स्कूल की मस्जिद के अंदर जोरदार ब्लास्ट, 54 घायल

इंडोनेशिया की राजधानी जकार्ता में एक स्कूल परिसर के अंदर स्थित मस्जिद में शुक्रवार की नमाज़ के दौरान हुए विस्फोट में दर्जनों लोग घायल हो गए और उन्हें अस्पताल में भर्ती कराया गया है। शहर के पुलिस प्रमुख असेप एडी सुहेरी ने एक टेलीविज़न प्रेस कॉन्फ्रेंस में बताया कि पुलिस उत्तरी

जकार्ता के केलापा गाडिंग स्थित घटनास्थल पर हुए विस्फोट के कारणों की जाँच कर रही है। उन्होंने बताया कि अस्पतालों में भर्ती 54 लोगों की संख्या है। उन्होंने आगे बताया कि घायलों की संख्या मामूली से लेकर गंभीर तक है, जिनमें जलने के घाव भी शामिल हैं। समाचार चौनलों कोम्पासटीवी और मेट्रोटीवी ने स्कूल के आसपास पुलिस लाइन की फुटेज दिखाई, जहाँ एम्बुलेंस खड़ी थीं। मस्जिद की तस्वीरों में कोई बड़ा नुकसान नहीं दिखा।

बोलीविया की पूर्व राष्ट्रपति जेल से रिहा

बोलीविया की पूर्व अंतरिम राष्ट्रपति जीनिन एनेज गुरुवार (06 नवंबर) को सुप्रीम कोर्ट के फैसले के बाद जेल से रिहा हो गईं। कोर्ट ने उनकी 10 साल की सजा रद्द कर दी है। ला पाज शहर के मिराफ्लोरेस महिला जेल से बाहर निकलते हुए एनेज ने मुस्कुराए और बोलीविया का झंडा लहराया। इसी के साथ भगे हुए गले से उन्होंने कहा, श्मैंने अपने देश को वह सब कुछ दिया जो मुझे देना था। यह बहुत दर्दनाक रहा है। उन्होंने मेरे साथ एक असली अपराधी जैसा व्यवहार किया।श बता दें कि एनेज चार साल से ज्यादा समय से जेल में थीं। उन्हें मार्च 2021 में गिरफ्तार किया गया था और जून 2022 में दोषी ठहराया गया था। जो कि 2019 के घातक विरोध प्रदर्शनों के बाद एक विवादास्पद नेशनल असेंबली सत्र में राष्ट्रपति पद संभालने में उनकी भूमिका के लिए था, जिसके कारण तत्कालीन राष्ट्रपति इवो मोरालेस (2006–2019) को इस्तीफा देना पड़ा।

वेनेजुएला पर हमला करने से रोकने के लिए विधेयक पर मतदान

अमेरिकी सीनेट में गुरुवार को एक महत्वपूर्ण मतदान हुआ, जिसमें ऐसा विधेयक पेश किया गया, जो राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप प्रशासन की वेनेजुएला पर सैन्य कार्रवाई करने की शक्ति को सीमित करेगा। डेमोक्रेटिक सांसदों ने कांग्रेस से आग्रह किया है कि वह राष्ट्रपति ट्रंप की वेनेजुएला के राष्ट्रपति निकोलस मादुरो के खिलाफ चल रही अभियान में अधिक सशक्त भूमिका निभाए। शीर्ष रिपब्लिकनों सहित सांसदों ने मांग की है कि ट्रम्प प्रशासन उन्हें कैरिबियन और पूर्वी प्रशांत महासागर में कथित नशीली दवाओं की तस्करी करने वाले जहाजों के खिलाफ अमेरिकी सैन्य हमलों के बारे में अधिक जानकारी प्रदान करे। गुरुवार का यह मतदान वास्तव में ट्रंप प्रशासन की वेनेजुएला की जमीन पर संभावित सैन्य कार्रवाई को रोकने का प्रयास है, जिसके लिए पहले कांग्रेस की अनुमति अनिवार्य होगी। यह कदम इस बात की परीक्षा है कि क्या रिपब्लिकन सीनेटर ट्रंप प्रशासन को क्षेत्र में नौसैनिक बलों की तैनाती जारी रखने की अनुमति देंगे या नहीं? हालांकि इस विधेयक के पारित होने की संभावना बहुत कम है, क्योंकि इसे राष्ट्रपति ट्रंप के हस्ताक्षर की आवश्यकता होगी, फिर भी यह सांसदों को ट्रंप के वेनेजुएला पर सार्वजनिक हमले की धमकियों को लेकर अपनी स्थिति स्पष्ट करने का अवसर देता है।

शंघाई में भारतीय दूत ने स्वर्ण मंदिर के रागी का सम्मान किया

शंघाई स्थित भारतीय वाणिज्य दूतावास के काउंसलर जनरल प्रतीक माथुर ने अमृतसर के स्वर्ण मंदिर से आए रागी भाई मनिंदर सिंह जी से मुलाकात कर उन्हें सम्मानित किया। यह मुलाकात गुरु नानक देव जी के प्रकाश उत्सव के शुभ अवसर पर हुई। दूतावास ने बताया कि मुलाकात के दौरान गुरु जी के संदेश एक ओंकार, समानता, ईमानदार जीवन और मानवता की सेवा पर विचार साझा किए गए। रागी भाई मनिंदर सिंह जी गुरु ग्रंथ साहिब के कीर्तन और भक्ति संगीत के प्रसिद्ध प्रस्तुतकर्ता हैं। माथुर ने उनके शंघाई आने के लिए आभार जताया।

ब्रिटेन की जेलों से हर सप्ताह कई कैदियों की गलती से हुई रिहाई

ब्रिटेन में हर सप्ताह कई कैदियों को गलती से जेल से रिहा कर दिया जाता है। इस सप्ताह दो और मामले सामने आए हैं। इनमें एक अल्जीरियाई नागरिक भी शामिल है जो यौन ऑफेंडर्स रजिस्टर में है। ब्रिटेन के न्याय विभाग की मंत्री एलेक्स डेविस जोन्स ने कहा कि जेल प्रणाली पूरी तरह अव्यवस्थित है। सरकार पहले से अधिक विदेशी कैदियों को देश से बाहर भेज रही है और अब उन्हें सजा सुनाए जाने के तुरंत बाद ही देश से निकाले जाने की योजना है, बजाय इसके कि वे ब्रिटिश जेलों में सजा काटें। देश में कैदियों की संख्या पिछले 30 वर्षों में दोगुनी हो चुकी है। सरकार के अनुसार मार्च 2025 तक के 12 महीनों में 262 कैदी गलती से रिहा हुए, जो पिछले वर्ष की तुलना में दोगुने से भी अधिक हैं और लगातार चौथे वर्ष बढ़ोतरी दर्ज हुई है। यह मुद्दा तब उजागर हुआ जब हाल ही में एक इथियोपियाई प्रवासी और यौन अपराधी हदुश गेरबरस्लासी केबातु को गलती से रिहा कर दिया गया।

आवश्यकता है

उत्तर प्रदेश राज्य के प्रयागराज जिले से प्रकाशित समाचार पत्र को समस्त जनपदों में एवम तहसील व ब्लॉक/शहर में ब्यूरो प्रमुख, चीफ रिपोर्टर, संवाददाता, प्रतिनिधि मण्डल की अवश्यकता है जिन्हे आकर्षण वेतन और भत्ते आदि सुविधा उपलब्ध कराई जाएगी।

सम्पर्क सूत्र

शहर समता हिन्दी दैनिक/साप्ताहिक समाचार पत्र

मोबाईल नम्बर 9190052 39332

919450482227

भारत ने चीन पर तगड़ा एक्शन ले लिया, सैटेलाइट को किया ब्लॉक

कहते हैं जब कोई देश आत्मनिर्भर बन जाता है तो सबसे ज्यादा डर उसके दुश्मनों को लगता है और अब डर गया है चीन क्योंकि भारत ने वो कदम उठा लिया है जो अब तक सिर्फ बातें होती थी। भारत ने चीन से जुड़े सेटेलाइट्स को पूरी तरह से ब्लॉक कर दिया है। आज भारत जिस मुकाम पर खड़ा है, वहां हम ना केवल अपनी धरती की रक्षा कर रहे बल्कि अंतरिक्ष में भी राष्ट्र की सुरक्षा की दीवार खड़ी कर रहे हैं। अभी हाल ही में इसरो ने भारत का अब तक का सबसे भारी कम्युनिकेशन सेटेलाइट लॉन्च किया और उसी समय सरकार ने एक बड़ा फैसला लिया कि अब कोई भी भारतीय प्लेटफार्म, न्यूज़ चौनल या ओटीटी विंस किसी भी चाइनीस लिंक सेटेलाइट का इस्तेमाल नहीं करेगा। यानी कि अब भारत का मनोरंजन, भारत की खबरें और भारत का डाटा किसी भी विदेशी या खासकर चीन के कंट्रोल में नहीं रहेगा। सरकार ने साफ आदेश दिया कि जो भी प्लेटफार्म एशिया सेट फाइव और एशिया सेट से जैसे सेटेलाइट पर निर्भर है जिनमें चीन की सरकारी कंपनियों की ओनरशिप है उन्हें तुरंत शिफ्ट होना पड़ेगा। यानी अब भारत का हर चौनल हर ओटीटी या तो भारतीय उपग्रह ळै830, ळै817 पर जाएगा या फिर किसी भरोसेमंद विदेशी सेटेलाइट पर। लेकिन चीन का खेल अब खत्म हो गया है। भारतीय राष्ट्रीय अंतरिक्ष संवर्धन एवं प्राधिकरण केंद्र ने चाइनासैट और हांगकांग स्थित ऑपरेटरों एपस्टार और एशियासैट के उन आवेदनों को अस्वीकार कर दिया है जो भारतीय फर्मों को उपग्रह सेवाएँ प्रदान करना चाहते थे। भारत में एशियासैट की 33 वर्षों की उपस्थिति के बावजूद, वर्तमान में मार्च तक केवल AS5 और AS7 उपग्रहों के लिए ही प्राधिकरण है, जबकि AS6, AS8 और AS9 उपग्रहों के लिए अनुमतियाँ अस्वीकार कर दी गई हैं। एक सूत्र ने ईटी को बताया कि जियोस्टार, ज़ी आदि सहित प्रसारकों के साथ–साथ टेलीपोर्ट ऑपरेटरों को अगले साल मार्च तक एशियासैट 5 और 7 उपग्रहों से स्थानीय जीसैट और इंटेलसैट जैसे अन्य उपग्रहों पर स्थानांतरित होना है। एक अन्य सूत्र ने संकेत दिया कि कंपनियों ने परिचालन संबंधी व्यवधानों को रोकने के लिए यह बदलाव शुरू कर दिया है। इंटेलसैट, स्टारलिंक, वनवेब, आईपीस्टार, ऑर्बिटकनेक्ट और इनमारसैट सहित कई अंतरराष्ट्रीय उपग्रह ऑपरेटरों को भारत में संचार और प्रसारण सेवाएँ प्रदान करने के लिए प्राधिकरण प्राप्त हुआ है। अधिकारियों ने संकेत दिया है कि जीसैट भारत में पर्याप्त उपग्रह क्षमता विकसित कर रहा है, जिससे यह सुनिश्चित होगा कि संगठनों को पिछली चुनौतियों का सामना न करना पड़े। ज़ी के एक प्रवक्ता ने वित्तीय दैनिक को जीसैट–30, जीसैट–17 और इंटेलसैट–20 उपग्रहों पर उनके संक्रमण की पुष्टि की। प्रवक्ता ने कहा यह कदम सितंबर 2025 के मध्य तक उठाया जाएगा। फिलहाल, एशियासैट–7 पर हमारी कोई सेवा उपलब्ध नहीं है। एशियासैट वर्तमान में भारत में अपनी सेवाएँ जारी रखने के लिए अंतरिक्ष नियामक के साथ बातचीत कर रहा है।

अमेरिका में डेमोक्रेट्स की जीत का ओबामा ने मनाया जश्न, बोले– मतदाता अब ट्रंप का एजेंडा नकार रहे

वॉशिंगटन। अमेरिका में हालिया चुनावों को लेकर डेमोक्रेटिक पार्टी में जश्न का माहौल है। इस बीच पूर्व राष्ट्रपति बराक ओबामा गुरुवार को वॉशिंगटन में एक कार्यक्रम में अप्रत्याशित रूप से भाग लेते हुए नजर आए। यहां उन्होंने कहा कि अमेरिकी वोटर्स अब ट्रंप के एजेंडे को खारिज कर रहे हैं। उन्होंने यह भी उम्मीद जताई कि डेमोक्रेट्स के बीच जारी मतभेदों को दूर किया जा सकता है। ओबामा ने पॉड सेव अमेरिका नाम के पॉडकास्ट के लिए आयोजित एक कार्यक्रम में कहा, "हमारा मंगलवार बहुत

अच्छा रहा।" उनके ये बोलते ही भीड़ ने जोरदार तालियों से उनका स्वागत किया। उन्होंने कहा, "यह एक अच्छा संकेत है कि अमेरिकी जनता ध्यान दे रही है। वे निर्दयता नहीं चाहते। वे ऐसे लोगों को नहीं देखना चाहते जो सत्ता में बने रहने के लिए हरसंभव कोशिश करते हैं।" न्यूयॉर्क सिटी के नवनिर्वाचित मेयर और खुद को समाजवादी कहने वाले जोहरान ममदानी और वर्जीनिया और न्यू जर्सी के गवर्नर चुनावों में क्रमशः डेमोक्रेट्स एबिगेल स्पैनबर्गर और मिकी शेरिल की जीत हुई थी। इसके बाद से ही यह चर्चा तेज हो गई है कि 2026 के मध्यावधि चुनावों की तैयारी के दौरान पार्टी अपने प्रगतिशील और मध्यमार्गी गुटों के बीच मतभेदों को कैसे सुलझाएगी। एसोसिएटेड प्रेस के वोटर पोल, जिसमें न्यूयॉर्क सिटी, वर्जीनिया, न्यू जर्सी और कैलिफोर्निया के 17,000 से अधिक मतदाताओं से राय ली गई है, के मुताबिक अधिकांश मतदाताओं ने तत्कालीन राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के प्रदर्शन को अस्वीकार किया और माना कि उनकी कठोर आव्रजन नीति हद पार कर गई।

वर्षा वन बचाने के लिए ब्राजील सरकार की महत्वकांक्षी योजना, पांच अरब डॉलर जुटाए

रियो डी जेनेरियो। संयुक्त राष्ट्र जलवायु सम्मेलन इस साल ब्राजील में आयोजित किया जा रहा है। इस जलवायु सम्मेलन में ब्राजील की सरकार अपने वर्षा वनों को बचाने के लिए एक महत्वकांक्षी योजना पर काम कर रही है। इसके तहत ब्राजील सरकार ने अपने वर्षा वनों को बचाने और जलवायु परिवर्तन से निपटने के लिए दुनियाभर के देशों से फंड जुटाने का लक्ष्य तय किया है। गौरतलब है कि अब तक ब्राजील सरकार को विभिन्न देशों से 5.5 अरब अमेरिकी डॉलर मिलने का वादा भी मिल गया है। यह फंड ब्राजीली राष्ट्रपति लुइज इनासियो लूला डी सिल्वा का मुख्य प्रोजेक्ट है। यह वर्षा वन बचाने और दुनिया भर का ध्यान जलवायु परिवर्तन की तरफ आकर्षित करने का प्रयास है। ब्राजील को मिलने वाला फंड कर्ज के रूप में होगा, जिसे श्ट्रॉपिकल फॉरेस्ट फैसिलिटीश कहा जाता है। ब्राजील को उम्मीद है कि वह देशों को यह समझाने में सफल होगा कि जंगलों को बचाने से पूरी दुनिया को फायदा होगा क्योंकि इससे ग्रह को गर्म करने वाले भारी मात्रा में उत्सर्जन को सोखा जा सकेगा।

मेयर चुनाव जीतने के बाद सोमोस में बोले ममदानी– न्यूयॉर्क की कहानी, प्यूर्टो रिको के बिना अधूरी

सैन जुआन। न्यूयॉर्क सिटी के नवनिर्वाचित मेयर जोहरान ममदानी ने चुनाव जीतने के बाद गुरुवार को प्यूर्टो रिको का दौरा किया, जहां हर साल न्यूयॉर्क के राजनेता और लॉबिस्ट जमा होते हैं। यह वार्षिक सम्मेलन श्सोमोसश के नाम से जाना जाता है और राजनीतिक रणनीति, चर्चाओं और मेलजोल का केंद्र माना जाता है।

मैं सोमोस में आकर बहुत खुश हूं– ममदानी

समुद्र तट पर आयोजित स्वागत समारोह में जोहरान ममदानी का जोरदार स्वागत किया गया। वहां मौजूद भीड़ ने तालियों बजाकर उनका स्वागत किया, और न्यूयॉर्क की अटॉर्नी जनरल लेटिशिया जेम्स ने मंच से सबको श्ममदानी, वो–ओ–ओ–ओश गीत गाने के लिए प्रेरित किया, पुराना मशहूर गीत श्वोलेरेश की धुन पर। जोहरान ममदानी ने सभा को संबोधित करते हुए कहा, मैं सोमोस में आकर बहुत खुश हूं। न्यूयॉर्क सिटी की कहानी आप प्यूर्टो रिको की कहानी के बिना नहीं बता सकते। उन्होंने यह भी बताया कि उन्होंने यहां का पारंपरिक पकवान श्मोफोंगोश खाया और उसकी तारीफ की।

सम्मेलन में कई विषयों पर रखे गए कार्यक्रम

इस सम्मेलन के दौरान श्राइजिंग कम्युनिटीज के जरिए वर्कफोर्स डेवलपमेंटश और श्ह्यूमन सर्विसेजश का जश्नश जैसे विषयों पर कार्यक्रम रखे गए हैं। इसके अलावा कई विधायी कार्यशालाएं भी होंगी। आमतौर पर यह सम्मेलन चुनाव के बाद नेताओं के लिए आराम, बातचीत और नेटवर्किंग का मौका होता है। जोहरान ममदानी, जो सिर्फ 34 वर्ष के हैं, ने हाल ही में अपनी ट्रांजिशन टीम की घोषणा की है। इस टीम में अनुभवी अधिकारी शामिल हैं जो उन्हें सिटी हॉल संभालने और उनकी श्अफोर्डेबिलिटी एजेंडाश को लागू करने में मदद करेंगे।

न्यूयॉर्क के मौजूदा मेयर से ममदानी ने की बातचीत

प्यूर्टो रिको पहुंचने से पहले जोहरान ममदानी ने न्यूयॉर्क के मौजूदा मेयर एरिक एडम्स से फोन पर बात की। एरिक एडम्स ने उन्हें पूर्ण सहयोग का आश्वासन दिया। हालांकि एडम्स खुद इस सम्मेलन में शामिल नहीं हुए। जोहरान ममदानी ने मंगलवार को हुए चुनाव में पूर्व गवर्नर एंड्रयू कुओमो और रिपब्लिकन प्रत्याशी कर्टिस स्लिवा को हराकर शानदार जीत दर्ज की थी। जानकारी के अनुसार, ममदानी शनिवार को न्यूयॉर्क लौटेंगे।

अमेरिका में उड़ानें रद्द होने की संख्या में आई तेजी

अमेरिकी एयरलाइनों ने गुरुवार को सैकड़ों उड़ानें रद्द करना शुरू कर दिया है। क्योंकि संघीय विमानन प्रशासन ने शुक्रवार से देश के सबसे व्यस्त हवाई अड्डों पर यातायात कम करने का आदेश दिया है। उड़ान व्यवधानों पर नजर रखने वाली वेबसाइट फ्लाइटअवेयर के अनुसार, शुक्रवार के लिए निर्धारित करीब 500 उड़ानों में पहले ही कटौती कर दी गई थी, गुरुवार दोपहर तक रद्दीकरण की संख्या में लगातार वृद्धि हुई। अमेरिका के 40 सबसे व्यस्त हवाई अड्डों पर उड़ानों में कटौती करने के एफएए के आदेश में न्यूयॉर्क, लॉस एंजिल्स और शिकागो शामिल हैं, लेकिन इसका प्रभाव कई छोटे हवाई अड्डों पर भी यात्रा को बाधित करेगा। एफएए यात्रा सुरक्षा बनाए रखने के लिए ष्उच्च–मात्राष वाले बाजारों में सेवाओं में 10 प्रतिशत की कटौती करना चाहता है, क्योंकि हवाई यातायात नियंत्रकों पर शटडाउन के दौरान दबाव के संकेत दिखाई दे रहे हैं। यह कदम ऐसे समय उठाया गया है, जब ट्रंप प्रशासन कांग्रेस में डेमोक्रेट्स पर शटडाउन समाप्त करने के लिए दबाव बढ़ा रहा है।

तूफान से वियतनाम में भी तबाही, अब तक पांच की मौत

डाक लक (वियतनाम)। तूफान कल्मेगी ने वियतनाम और फिलीपींस में भीषण तबाही मचाई है। वियतनाम में कम से कम पांच लोगों की मौत हुई है, जबकि रिहायशी इलाकों में भारी नुकसान हुआ है। बता दें कि यह तूफान कुछ दिन पहले ही फिलीपींस में व्यापक तबाही मचाकर आगे बढ़ा था। फिलीपींस में इस तूफान की चपेट में आने से 188 लोगों की मौत हो चुकी है, जबकि 135 लोग लापता हैं। खबरों के मुताबिक तूफान कल्मेगी के कारण वियतनाम के डाक लक और जिया लाई प्रांतों में सबसे ज्यादा जनहानि हुई है। तीन लोग डाक लक में और दो लोग जिया लाई में मारे गए हैं। क्वांग नगाई में तीन लोग लापता हैं। तूफान की चपेट में आने वाले 52 घर पूरी तरह नष्ट हो गए, जबकि लगभग 2,600 अन्य घरों को भी भारी नुकसान पहुंचा। इनमें से 2,400 से अधिक घर जिया लाई में हैं। तूफान के कारण बिजली सप्लाई पर भी असर पड़ा है। विद्युत सप्लाई बाधित होने से 16 लाख से अधिक परिवार प्रभावित हुए हैं।

प्रतापगढ़ ब्यूरो
शरद कुमार श्रीवास्तव
7/31, अचलपुर, प्रतापगढ़

संस्थापक
स्व.कन्हैया लाल
स्व.श्रीमती साधना
सम्पादक
उमेश चंद्र श्रीवास्तव
प्रबन्ध सम्पादक
अरविन्द पाण्डेय
संयुक्त सम्पादक
अनंत श्रीवास्तव
संयुक्त सम्पादक (तकनीकी)
केशव श्रीवास्तव
विधि सलाहकार
कल्पना श्रीवास्तव

शहर समता

स्वामी/प्रकाशक/मुद्रक/सम्पादक उमेश चन्द्र श्रीवास्तव द्वारा कम्पीटेन्ट बिजनेस सर्विसेज, विष्णु पदम कुटीर 115डी/2ई लूकरगंज, इलाहाबाद से मुद्रित कराकर 289/238ए,कर्नलगंज इलाहाबाद से प्रकाशित

सम्पादक
उमेश चन्द्र श्रीवास्तव
मो.नं.9005239332

आर.एन.आई.नं.
यूपीएचआईएन/2004/22466

Email : shaharsamta@gmail.com

इस अंक में प्रकाशित समस्त समाचारों के चयन एवं सम्पादन हेतु पी.आर.बी. एक्ट के अन्तर्गत उत्तरदायी तथा इनसे उत्पन्न समस्त विवाद इलाहाबाद न्यायालय के अधीन ही होंगे।